CATALYST COLLEGE

(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)

An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

A pictorial journey...

CATALYST COLLEGE

(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

APJ Kalam @

अच्छी किताबें बनाती हैं महान

पटना, हमारे प्रतिनिधिः अच्छी किताबें व्यक्ति को महान बनाती हैं। इसे हमेशा मित्र बनाये। किताबों से जीवन में प्रोत्साहन मिलता है। सोच सकरात्मक होती है, जानकारी बढ़ती है। इसी जानकारी से व्यक्ति महान हो जाता है। ये बातें सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने राजधानी के सीमेज कालेज की लाइब्रेरी भ्रमण के दौरान कहीं। उन्होंने कालेज के छात्रों को शपथ दिलायी की वे हमेशा अच्छे किताबों का अध्ययन करेंगे।

मौके पर सीमेज कालेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने पूर्व राष्ट्रपति का लाइब्रेरी परिसर में स्वागत करते हुए पुस्तकालय के किताबों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डा.कलाम ने कहा कि काफी पहले उन्होंने लाइट फ्राम मेनी लैम्पर्स पुस्तक खरीदी थी, जो उनके जीवन को काफी प्रभावित किया। डा. कलाम ने द साइंटिफिक

छात्राओं को आटोग्राफ देते पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम

जागरण

APJ Kalam @

“Books are the best friend of Mankind and it is the best gift to human civilization. You should always make friendship with good books, because the knowledge, achieved by the books is precious.” These were the words of Bharat Ratna Dr. A. P. J. Abdul Kalam.

Addressing the students of CIMAGE, he said, “when I was young, I bought an old book, named 'Light from Many Lamps', written by Lillian Eichler Watson, which left a great impression on me and changed my life forever".

Kalam's message to the CIMAGE students “***Good books induces Learning, Learning leads to Creativity, Creativity makes people Thoughtful, Thinking enriches Knowledge, and Knowledge makes people Great***.”

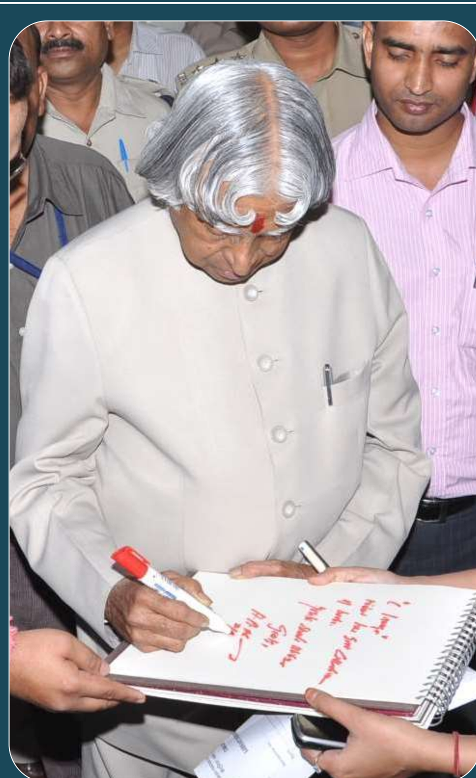

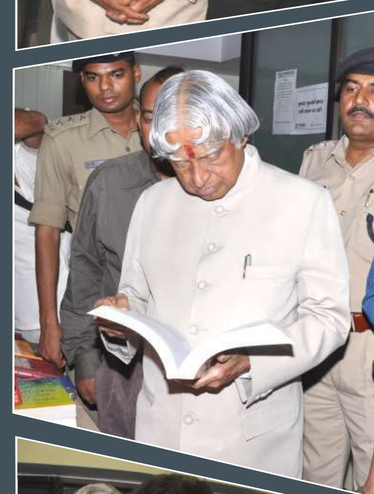

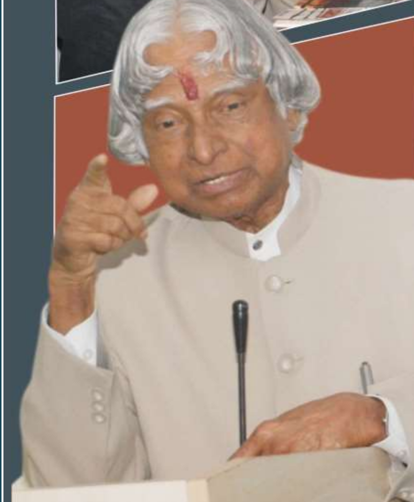

कलाम बोले, किताब से अच्छा दोस्त कोई नहीं

पटना | हिन्दुस्तान टीम

महान पुस्तकें सीखने के लिए प्रेरित करती है। जिससे विश्वस्नीयता बढ़ती है और साथ ही चितंन से व्यापक सोच में वृद्धि होती है। यही व्यापक ज्ञान हमें महान बनाती है। इसलिए सभी को पुस्तक से प्रेम करना चाहिए। किताब ही आपकी सबसे अच्छी दोस्त हो सकती है। ये बाते पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम ने बच्चों से कही। वे सीमेज पब्लिक लाइब्रेरी में रात दस बजे पहुंचे थे। डॉ.कलाम ने कहा कि आज के युवाओं को किताबों से जोड़ना बहुत जरूरी है। इस मौके पर डॉ.कलाम को सीमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने स्वागत किया। पूर्व राष्ट्रपति मंगलवार को पटना के रवीन्द्र भवन में व्याख्यान देंगे। बिहार विधानपरिषद के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम की पहली श्रृंखला में उनका व्याख्यान होगा। विधानपरिषद के सभापति ताराकांत झा ने बताया कि ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का व्याख्यान रवीन्द्र भवन में पहले सत्र में होगा जबकि दूसरे सत्र में प्रश्नों का होगा। श्री कलाम के व्याख्यान को राजधानी पटना के 200 बच्चे की सुनेंगे।

कलाम को छात्राओं ने घेर लिया और उनसे दुनिया-जहान की ढेरों बातें कीं।

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

Inauguration of CIMAGE

SUNDAY TIMES

CM inaugurates CIMAGE

Patna: CM Nitish Kumar here on Saturday said that Biharis have made their mark across the world in different fields with their insight, labour and talent. He said this while inaugurating the Catalyst Institute of Management & Advance Global Excellence (CIMAGE).

Welcoming the opening of CIMAGE, he said this was a novel visionary approach of the private sector to create a pool of managers, mediapersons and IT professionals through management, media and information technology courses under one roof. He hoped the opening of CIMAGE would pave way for opening of more such institutions under private sector giving quality management, media and IT education to the benefit of the Bihari youths who at present go to other states for studies in management and IT.

The CM told CIMAGE chairman Basant Kumar Agrawal to maintain balance between Laxmi (money and prosperity) with Saraswati (imparting quality education).

Nitish said that it had been his government's endeavour to open standard professional education institutions in the state and the promoters of the Career Catalyst came into the scene with a bang rekindling hopes of the Bihari youths.

CIMAGE managing trustee Neeraj Agarwal welcomed the guests and said that he had dreamt of opening a branch of CIMAGE in the city six years ago. He said that the Career Catalyst had already proved its credentials in providing jobs and placements to around 24,000 students. He said that he felt that most students were not able to transfer their knowledge to skills. He said that this institute will have faculty members who are well known in their field. He praised the CM for building a positive atmosphere in Bihar. TNN

हिन्दुस्तान

मीडिया पेशे को गंभीरता से लें

सिमेज इंस्टीट्यूट के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दी सीख

पटना (का.सं.)। मीडिया को लोग 'ग्लैमर रूप में लेते हैं। आज के अधिकतर युवा इसकी चकाचौंध से ही इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। युवा इस भूल से बचें। लोग जैसा सोचते हैं असलियत में यह उतना आसान नहीं है। इसे जोश और जज्बे के रूप में लेना चाहिए। मेहनत कीजियेगा तो काफी आगे जाइयेगा। ये बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कैटलिस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवांस ग्लोबल एक्सीलेंस और कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज के उद्घाटन के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि मीडिया में रिस्क है। इसे गंभीरता से लीजिए। बोरिंग रोड स्थित इंस्टीट्यूट के नए भवन के पास आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया के गुणों की भी चर्चा की। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मैं अपने सहयोगियों से कहता हूं कि ज्यादा छपने और कवरेज से बचिए क्योंकि जो ज्यादा छपता है या जिसका चेहरा टीवी पर ज्यादा दिखता है, मीडिया जल्द ही उसको पटकता भी है। मुख्यमंत्री ने सिमेज को मीडिया कॉलेज और अन्य प्रोफेशनल कोर्स के लिए इंस्टीट्यूट खोलने के लिए बधाई भी दी। मुख्य अतिथि पुण्य प्रसून वाजपेयी ने पत्रकारिता के बदलते स्वरुपों की चर्चा की। उन्होंने आज की टेक्नोलॉजी पर आधारित पत्रकारिता के लिए ट्रेनिंग को जरुरी बताया। साथ ही उन्होंने युवाओं को पत्रकारिता के लिए सोच विकसित करने के लिए कहा क्योंकि ट्रेनिंग सिर्फ आपको तकनीकी जानकारी ही दे सकता है। उन्होंने कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज की तुलना सिम्बायोसिस से करते हुए कहा कि इसकी कई विशेषताएं उससे मिलती है। सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद बिहार पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जस्टिस धर्मपाल सिंह ने पटना में उच्च शिक्षा के लिए संस्थान खोलने के लिए सिमेज के प्रबंधक को बधाई दी। स्वागत भाषण संस्थान के प्रमुख बसंत कुमार अग्रवाल और सिमेज के बारे में परिचय निदेशक नीरज अग्रवाल ने दिया। इस मौके पर विधायक ज्ञानेंद्र कुमार, मौर्या टीवी के निदेशक सुजीत झा, प्रधान सचिव सी.के.मिश्रा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रधान सचिव राजेश भूषण, मेघा अग्रवाल और नेहा सच्चर सहित कई अन्य मौजूद थे।

शनिवार को सिमेज इंस्टीट्यूट का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री।

Inauguration of CIMAGE

Mr. Punya Prasun Vajpayee
Editor, Zee News

Justice Dharam pal Singh
Chairman, BWC Commission

Mr. Gyanendra Pratap Singh
Member of Legislative Assembly

Mr. Basant Kumar Agrawal
Chairman, Catalyst Group

Prof. Neeraj Agrawal
Managing Trustee, Vijayam Educational Trust

Dy. CM & Education Minister @ CIMAGE

पचास हजार से अधिक पुस्तकों से सुसज्जित नेबरहुड लाईब्रेरी सिमेज पब्लिक लाईब्रेरी का शुभारम्भ शनिवार 30 अप्रैल को उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पी. के. शाही, मंत्री मानव संसाधन विकास विभाग भी उपस्थिति थे।

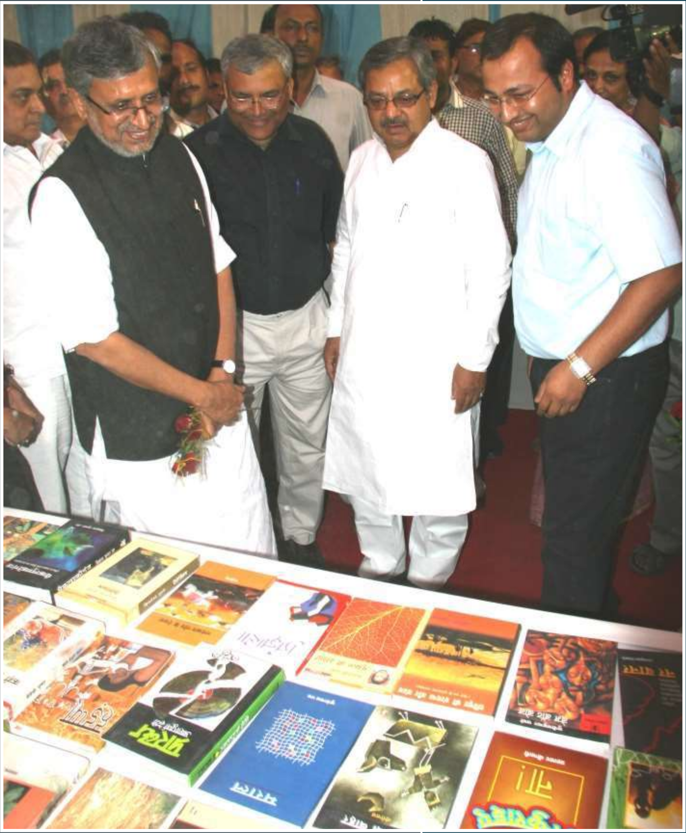

यह है सबकी लाइब्रेरी

सिमेज में खुली सार्वजनिक लाइब्रेरी

i next reporter

PATNA (30 April) : पचास हजार से अधिक की किताबों के साथ सिमेज की लाइब्रेरी की ओपनिंग की गई. इसका यूज आमलोग भी कर सकते हैं. इसके लिए उन्हें सिर्फ दस रुपए महीने देने होंगे. इसके बाद वो अपनी मनचाही किताब घर ले जाकर पढ़ सकते हैं. पचास हजार से अधिक किताबों के साथ नेबरहुड लाइब्रेरी सिमेज पब्लिक लाइब्रेरी का उद्घाटन डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी और मानव संसाधन विकास मंत्री पीके शाही के हाथों किया गया. इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने कहा कि किताबों के साथ ही जुड़कर जीवन का असली मजा आता है. संस्थान के हेड नीरज अग्रवाल ने कहा कि निकट भविष्य में ऑनलाइन लाइब्रेरी बनाने की योजना है. लाइब्रेरी में प्रबंधन, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, जर्नल, रिपोर्ताज, मैगजीन, साहित्य एवं कला के बुक मौजूद हैं. इस अवसर पर रामचंद्र खान, सच्चिदानंद सिन्हा, डॉ. रामशोभित प्रसाद सिंह, उषा किरण खान, विकास कुमार झा आदि भी उपस्थित थे.

इनॉगरेशन के मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम सुशील मोदी व अन्य.

Dy. CM & Education Minister @ CIMAGE

क्षमता से मिलेगी नौकरी : मोदी

उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी व शिक्षा मंत्री पीके शाही. फोटो। प्रभात खबर

संवाददाता ▪ पटना

▸ सीमेज की पब्लिक लाइब्रेरी का उद्घाटन

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पाठ्यक्रम की पुस्तकों को पढ़ने से छात्र अच्छा अंक प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन पूर्ण दक्ष नहीं बन सकते हैं. इसके लिए पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ अन्य पुस्तकें भी पढ़नी होंगी. वर्तमान समय में डिग्री पर नहीं, क्षमता से ही नौकरी मिल रही है. वे शनिवार को सीमेज के पब्लिक लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि एक समय था, जब राजधानी में कई समृद्ध पुस्तकालय थे. आज एक-दो पुस्तकालयों को छोड़ दें, तो कोई लाइब्रेरी समृद्ध नहीं है. इससे युवाओं में पढ़ने की रुचि कम हुई है. इसलिए युवाओं में पढ़ने की रुचि जगाने के लिए समृद्ध लाइब्रेरी की जरूरत है. सरकार इंस्टीट्यूट स्थापित कर सकती है, लेकिन छात्रों को नौकरी अपनी क्षमता पर ही लेनी होगी. मानव संसाधन विकास मंत्री पीके शाही ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम हो रहा है, लेकिन बड़े पैमाने पर संसाधन की जरूरत है. सरकार धीरे-धीरे संसाधनों को जुटाने में लगी है. मुफ्त शिक्षा को लागू करने के लिए एकमुश्त 28 हजार करोड़ की जरूरत है. सीमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि पब्लिक लाइब्रेरी में कोई भी व्यक्ति दस रुपये में सदस्यता ले सकता है. मौके पर बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निशा झा व विधान पार्षद नीरज कुमार सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये.

विकास के लिए अंग्रेजी-कंप्यूटर का ज्ञान जरूरी

उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने शनिवार को सीमेज पब्लिक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री पीके शाही भी मौजूद रहे। • फोटो: हिन्दुस्तान

पटना। अंग्रेजी ज्ञान, कंप्यूटर और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी शिक्षण व्यवस्था आज सबकी जरूरत है। युवाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विकास के लिए यह बहुत जरूरी है। उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बोरिंग रोड स्थित सिमेज पब्लिक लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए ये बातें कही।

उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। यही कारण है कि 65 हजार करोड़ रुपए के बजट में से 11 हजार करोड़ सिर्फ मानव संसाधन विकास पर ही व्यय हो रहा है। उन्होंने सिमेज पब्लिक लाइब्रेरी की प्रशंसा की।

शिक्षा मंत्री पीके शाही ने कहा कि राज्य पुस्तकालय प्राधिकार से संबंधित अधिनियम अधिसूचित कर दिया गया है। राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निशा झा और विधान पार्षद नीरज कुमार ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

मोदी बोले

- प्राथमिक, उच्च व तकनीकी शिक्षा के विकास को सरकार कर रही प्रयास

संस्थान के प्रमुख नीरज अग्रवाल ने कहा कि संस्थान में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में ऑनलाइन लाइब्रेरी बनाने की भी योजना है। इसमें पचास हजार से ज्यादा किताबों का संग्रह है। सदस्यता 10 रुपए के मासिक शुल्क पर उपलब्ध होगी। इस मौके पर नेवरहुड लाइब्रेरी का महत्ता पर एक संगोष्ठी भी हुई।

हिन्दुस्तान

अतिरिक्त पढ़ाई के बगैर अच्छी नौकरी पाना मुश्किल : मोदी

पटना (सं.सू.)। छात्र सामान्य ग्रेजुएशन में अपना समय बर्बाद न करें। कोई प्रोफेशनल या वोकेशनल कोर्स जरूर करें। उसी में भविष्य है। इसके साथ-साथ अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर का ज्ञान भी अनिवार्य है। आज की तारीख में बिना अतिरिक्त पढ़ाई के अच्छी नौकरी पाना काफी मुश्किल है। उक्त बातें उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को कैटलिस्ट कॉल सेन्टर के उद्घाटन समारोह में कहीं। इस मौके पर पुलिस विभाग के एडीजी अभयानंद एवं कैटलिस्ट के चेयरमैन बसंत कुमार अग्रवाल भी मौजूद थे। श्री मोदी ने छात्रों से अपील की कि वे हाल ही में रिलीज हुई 'चक दे इंडिया' फिल्म को जरूर देखें जिससे छात्रों को मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार भी इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की बात सोच रही है। उन्होंने कहा कि बदलते माहौल में बिहार भी बदल रहा है और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। एडीजी अभयानंद ने अपनी शुभकामना व्यक्त की और कहा कि राज्य के लिए यह एक अच्छी शुरुआत है। अब राज्य के युवाओं को नौकरी की तलाश में राज्य के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यह कॉल सेन्टर छात्रों के सपनों को पूरा करने में मदद करेगा। इस मौके पर कैट्लिस्ट के चेयरमैन ने कहा कि बिहार अब बदल रहा है और इसका सारा श्रेय राज्य सरकार को जाता है जिन्होने एक ऐसा सकारात्मक माहौल बनाया कि यह काम संभव हो सका। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि कैट्लिस्ट अब तक 10 हजार युवाओं को देश के विभिन्न एमएनसी कंपनियों में नौकरी दिला चुका है और क्षेत्रों में अभी भी बहुत मौके हैं।

कैटलिस्ट कॉल सेन्टर का उद्घाटन करते मोदी

दैनिक जागरण

व्यावसायिक शिक्षा को अपनायें युवा : मोदी

पटना, हमारे कार्यालय संवाददाता : युवा बीए, बीकाम जैसे कोर्स में भीड़ लगाने के बजाय व्यावसायिक शिक्षा को अपनायें। यह सुझाव उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कैटलिस्ट काल सेंटर के उद्घाटन के मौके पर दिया।

श्री मोदी ने कहा कि इन दिनों युवाओं को अपनी क्षमता के विकास पर ध्यान देना चाहिए। इन्होंने बताया कि पटना विवि में ही पिछले दिनों 30 प्रोफेशनल कोर्स शुरू किये गये, लेकिन उनमें कई कोर्स में सीट खाली हैं। दूसरी तरह बीए, बीकाम करने वालों की भीड़ लगी है। उन्होंने कहा कि अब सरकारी नौकरियां कम बची हैं, लेकिन बीमा, बैंकिंग, होटल, रिटेल मैनेजमेंट व काल सेंटर में करोड़ों नौजवानों के लिए रोजगार की गुंजाइश है। इस मौके पर उन्होंने बताया कि सरकार नई हिन्दी फिल्म चक दे को टैक्स फ्री करने पर विचार कर रही है।

मौके पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अभयानंद ने कहा कि आईटी आधारित उद्योगों में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। उद्घाटन समारोह में कैटलिस्ट के अध्यक्ष बसंत कुमार अग्रवाल ने कहा कि बिहार में जो बदलाव आ रहा है, उसका श्रेय राज्य सरकार को जाता है। जिसने बिहार में सकारात्मक माहौल बनाया है। कार्यक्रम को संस्था के निदेशक नीरज अग्रवाल ने भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि इस काल सेंटर के माध्यम से अब तक दस हजार युवाओं को देश के विभिन्न हिस्सों में नौकरी मिली है।

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

HR Summit

Organised for the first time in Bihar "CIMAGE HR SUMMIT 2010" emerged as a platform where senior professors & HR heads of various MNC's assembled to empower students of management with various new strategies for being successful in the current phase of resurgent economy.

Mr. Chandra Prakash, State Head, INTUC, Mr.Vyas Ji (IAS), Principal Sec.- Labour Dept., Mr. Suresh Pandey, MD-Bokaro Steel with Mr. Neeraj Agrawal, Director, CIMAGE in Inaugural Session of CIMAGE HR Summit

CIMAGE HR Summit 2010

Prof. Rajneesh Mishra of IIM-Indore explaining his theory at CIMAGE HR Summit

Mr. B. R. Chatterjee, Head HR, Times of India at HR Summit

Chairman, CIMAGE presenting momento to Mr. Sushil Agrawal, Chairman, BLS Group

SPEAKERS

Prof. Sanjay Paswan
Ex Central Minister
of State for HRD

Mr Sayed T Jamal
Head HR & Admin.
Vodafone

Mr M. R. Das
Head HR
Indian Oil

Mr Sanjeev Sharan
Head HR MTS
Bihar -Jharkhand Orissa

Prof. Rajneesh Mishra
Research Scholar
IIM- Indore

Mr A. K. Sharma
Chairman
Amrapali Group

Prof. Jyoti Verma
Research Scholar
Retd. Prof. Patna Univ.

Prof. Shashwat Biswas of Institute of Rural Management- Anand (IRMA)

Mr. Anil Sharma, Chairman, Amrapali Group at CIMAGE

Catalyst Group Chairman with Dr. Jyoti Verma, Dr. Sanjay Paswan, Ex. Min., HRD, Govt. of India & Prof. Alok, XIMB

Mrs. Rashmi Sinha, Director, Saija Finance addressing at CIMAGE HR Summit

Students at CIMAGE HR Summit 2010

Member of Hospitality Committee playing the role of host at CIMAGE event

Students gain valuable experience in terms of organising & management skills

Students plays an active role in successfully organising landmark events of CIMAGE

Mr B. R. Chatterji
Head HR
Times Of India (Bihar)

Prof. Madhulika Sonawane
North Maharashtra Univ.
Jalgaon

Mr. Shakil Hassan
Chief Personnel Officer
BCCL

Mr. Suresh Pandey
Ex Managing Director
Bokaro Steel

Mr Himanshu Singh
Project Coordinator
HPCL

Prof. Saswata Biswas
Sr. Professor HR
IRMA Anand

Mr Sushil Agrawal
Chairman
BLS Group

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

HR Summit in Media

Themes

CIMAGE organised "HR Summit 2010" in Patna to mark the growing acceptance of modern day HR practices in the corporate houses functioning in the state of Bihar.

It was a platform where HR professionals shared their experiences with budding executives & students.

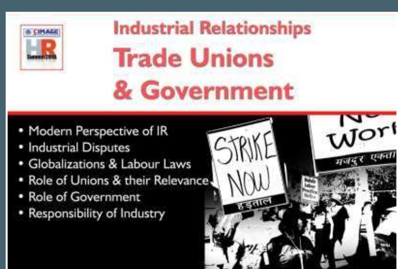

हिन्दुस्तान

Catalyst Institute of Management & Advance Global Excellence

कर्मियों के लिए सरकार बदल रही नीति

20 के बदले 80 का बोझ

सफल प्रबंधन के लिए ऐक्ट व फैक्ट बहुत जरूरी

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्र निर्माण में एचआर की भूमिका अहम : संजय

प्रभात खबर

बिहार जागे… देश आगे

कामगारों व मजदूर के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत

केवल कानून से नहीं चलेगा काम : व्यास जी

THE TIMES OF INDIA

Experts harp on HR as key to success

Patna: Former Union minister Sanjay Paswan on Wednesday said the success and failure of government and political leadership play an important role in the development of human resources (HR).

Delivering a speech here on 'Administration beyond HR and leadership failure' at HR summit 2010, organised by CIMAGE, Paswan said human resources could contribute to the development of the nation only when the incumbent administration, management and government function well. Professor Shaswat Viswas of the Institute of Rural Manageme[illegible] HR manager leads fr[illegible] others. Saija Financ[illegible] sential for a success[illegible] um for their subordi[illegible]

While professor [illegible] Maharashtra Unive[illegible] manager's responsi[illegible] to lead the whole te[illegible] chairman Sushil A[illegible] services has broug[illegible] corporate sector.

आज

बेहतर भविष्य के लिए मानव संसाधन का सुप्रबंधन ही विकल्प

सिमेज ने आयोजित किया मानव संसाधन सम्मेलन 2010

प्रभात खबर

बिहार जागे… देश आगे

वक्त के साथ प्रबंधन को बदलनी होगी रणनीति

सिमेज की ओर से एचआर समिट आयोजित

राष्ट्रीय सहारा

बिहार ने औद्योगिक विकास के रास्ते खोले

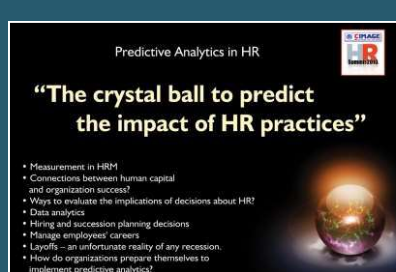

Interactive Seminar at S. K. Memorial Hall

Prof. Rajesh Agrawal

Director -ICRISAT (UNO), Ex. HOD, Finance - IIM-Ahmedabad

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

दैनिक जागरण

सिमेज में क्लास लेने आये आईआईएम के प्रोफेसर

पटना, आर्थिक प्रतिनिधि : छात्रों का उत्साह देखने लायक था। सवाल पर सवाल करने का सिलसिला लगातार चला। दरअसल, आज शनिवार को आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर राजेश अग्रवाल सिमेज की ओर से श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में मैनेजमेंट का क्लास लेने आए थे। मौके पर सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल भी उपस्थित थे। राजेश अग्रवाल ने मैनेजमेंट के क्षेत्र में करियर बनाने के गुर भी सिखाये। उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद की अनूठी शैक्षिक पद्धति के बारे में भी जानकारी दी। मौके पर नीरज अग्रवाल ने बताया कि सिमेज भी इसी पद्धति को अपनाया है। उन्होंने बताया कि सिमेज का मैनेजमेंट पाठ्यक्रम देश के जाने-माने मैनेजमेंट गुरुओं द्वारा तैयार किया गया है। क्लास के दौरान राजेश अग्रवाल ने खास कर फाइनांस एवं अकाउंट की गूढ़ पहलूओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने केस स्टडी मेथड के तहत रीयल लाइफ केस स्टडी के द्वारा कास्टिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एवं माइक्रो इकोनामिक्स का पाठ पढ़ाया। मौके पर नीरज पोद्दार ने बताया कि राजेश अग्रवाल संयुक्त राष्ट्र, वर्ल्ड बैंक एवं फोर्ड फाउंडेशन द्वारा संचालित आईसीआरआईएसएट के डायरेक्टर आफ फिनांस हैं। इससे पूर्व वे आईआईएम अहमदाबाद में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। इनके द्वारा लिखित जर्नल विदेशों में भी प्रमुखता से प्रकाशित होते रहे हैं। मौके पर नीरज अग्रवाल ने बताया कि निकट भविष्य में आईआईएम बंगलूर, आईएसबी हैदराबाद तथा अन्य प्रसिद्ध संस्थानों के प्रोफेसर भी सिमेज में क्लास लेने आएंगे।

हिन्दुस्तान

छात्रों को मैनेजमेंट एक्सपर्ट ने दिए टिप्स

मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के गुर सीखे

प्रो. राजेश अग्रवाल

Career in management

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

Nida Fazli @ CIMAGE

दैनिक जागरण

ख्यातिनाम शायर और गीतकार निदा फाजली ने कहा कि नई पीढ़ी को ऐसी दिशा की जरूरत है, जो देश की दशा बदल सके। नई पौध को सहेजने और संवारने से ही हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। वे शनिवार को सिमेज मैनेजमेंट व कैटलिस्ट मीडिया कालेज में विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों के हौसले को बढ़ाते हुए कहा कि आप अच्छा आदमी बनें और देश तथा समाज की दशा बदलें। यही मेरी कामना है।

नई पीढ़ी को सहेजने व संवारने की जरूरत : निदा फाजली

इससे पहले संस्था के निदेशक नीरज अग्रवाल ने निदा फाजली को शाल भेंट कर स्वागत किया। संस्था के अध्यक्ष बी.के. अग्रवाल ने भी निदा फाजली का सम्मान किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने निदा फाजली से कई सवाल भी पूछे। निदा फाजली ने अपने ही अंदाज में जवाब दिया। इस अवसर पर मेधा अग्रवाल और नीरज पोद्दार, नेहा सच्चर, के.के. सक्सेना, निखिल मिश्रा और वाणी प्रकाशन के प्रबंधक प्रेमकिरण भी मौजूद थे।

■ हमारे संवाददाता

राष्ट्रीय सहारा

आपके हौसले को सलाम करने आया हूं : फाजली

ज्ञान की बातें : छात्र-छात्राओं को ऑटोग्राफ देते निदा फाजली। फोटो : एसएनबी

सिमेज के छात्र-छात्राओं से हुए रू-ब-रू

पटना (एसएनबी)। मशहूर शायर निदा फाजली ने शनिवार को सिमेज मैनेजमेंट एवं कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज में छात्रों से मिलकर ज्ञान की बातें की। इस मौके पर छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नयी पौध को सहेजना और संवारना है। छात्रों से रूबरू होते हुए उनके भीतर उत्साह देख फाजली ने कहा 'मैं आपके हौसले को सलाम करने आया हूं, आपसे सीखने आया हूं'।

कार्यक्रम के दौरान सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने निदा फाजली को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य बच्चों को व्यावसायिक के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक भी बनाना है। इस मौके पर फाजली ने अपने पाकिस्तान व अमेरिका दौरे का जिक्र किया तथा बच्चों को कविताएं सुनायी। फाजली की कविता 'इंसान में हैवान यहां भी है, वहां भी है, अल्लाह निगहबान यहां भी है वहां भी है' को छात्रों को खूब पसंद किया। इस मौके पर चेयरमैन बीके अग्रवाल, मेधा अग्रवाल, नीरज पोद्दार, प्रेम किरण, नेहा सच्चर, केके सक्सेना निखिल मिश्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन नवेंदु ने किया।

हिन्दुस्तान

इंसान में हैवान यहां भी है वहां भी है...

पटना (का.सं.)। इंसान में हैवान यहां भी है वहां भी है, अल्लाह निगहबान यहां भी है वहां भी है..मशहूर शायर निदा फाजली ने अपनी पाकिस्तान यात्रा के अनुभवों को शनिवार को मैनेजमेंट व मीडिया के छात्र-छात्राओं के साथ बांटते हुए यह मशहूर कविता सुनायी। वे शनिवार को सिमेज मैनेजमेंट व कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज के छात्र-छात्राओं के बीच थे।

कार्यक्रम था नयी पौध के संग निदा। कैम्पस का माहौल भी शायराना था। प्रबंधन के छात्रों ने गुलाब का फूल देकर इस अजीम शायर का स्वागत किया। बच्चों के प्यार से अभिभूत निदा ने कहा कि मैं आपके हौसले को सलाम करने आया हूं व आपके आंखों के चमकते ख्वाबों से कुछ सीखने आया हूं। फिर तमन्ना फिल्म का अपना वह मशहूर गीत सुनाया, घर से मस्जिद है बहुत दूर, चलो यूं कर ले किसी रोते हुए बच्चे को0 हंसाया जाए।

छात्रों से मुखातिब होते हुए कहा कि नयी पौध को सहेजना व संवारना है। इन्हें ऐसी दिशा की जरूरत है कि जो देश की दशा बदल दे। एक छात्र धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने सवाल किया कि शायरी की प्रेरणा कहां मिली तो कहा कि पूरी दुनिया से हमें प्रेरणा मिलती रहती है। हर चीज से प्रेरणा मिलती है लिखने की। पाकिस्तान यात्रा के बाबत भरत मिश्रा के सवाल के जवाब में कहा कि दोनों देशों के हालात एक जैसे हैं। फकीर वहां भी हैं यहां भी। नाम का फर्क है वहां रहमान तो यहां राम। धर्म हमें जीने का रास्ता सिखाती है। इस अवसर पर कैटलिस्ट ग्रुप के अध्यक्ष बीके अग्रवाल, सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे। एकेडमिक कोआर्डिनेटर मेघा अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। संचालन नीरज पोद्दार ने व धन्यवाद ज्ञापित किया वरीय पत्रकार नवेंदु ने। इस अवसर पर केके सक्सेना, नेहा सच्चर व निखिल मिश्रा भी मौजूद थे।

मीडिया व मैनेजमेंट के छात्रों के बीच मशहूर शायर निदा फाजली

प्रभात खबर

आकाश में चमकते सितारों तक में है प्रेरणा : निदा फाजली

संवाददाता

पटना : तू इस तरह से मेरी जिंदगी में शामिल है, होशवाले को खबर क्या जिंदगी क्या चीज है...जैसे गानों से लोगों के दिलों में बसनेवाले निदा फाजली शनिवार को 'नयी पौध के संग निदा !' कार्यक्रम के तहत पटना, सिमेज के छात्र-छात्राओं से रू-ब-रू हुए. छात्रों ने पूछा कि शायरी लिखने की प्रेरणा कहां से मिलती है , तो निदा का जवाब जवाब था कि सारा संसार प्रेरणाओं की एक पाठशाला है. उड़ती हुई चिड़िया, जगमगाता आकाश, हमारे -आपके संबंध और वास्ते सभी से प्रेरणा ली जा सकती है. आंखें खोल कर जीयें, तो सब प्रेरणा देने को तैयार होते हैं. सड़क से लेकर आकाश में चमकते सितारे तक में प्रेरणा है, लेकिन शर्त है कि प्रेम का रिश्ता बनायें. उन्होंने कहा कि जब रिश्ता बन जाता है, तो एक नारी मां और पुरुष पिता बन जाता है. रिश्ता नही होता है, तो लोग अजनबी बन जाते हैं. इसलिए इनसान बन कर इनसानियत पैदा करें. छात्रों के सवाल पर उन्होंने पाकिस्तानी यात्रा का एक प्रसंग सुनाया. पाकिस्तान से लौटने के बाद एक कविता लिखी. 'इनसान से हैवान यहां भी वहां भी. वहां भी बेनजीर भुट्टो को कोई मुसलमान मारता है, तो यहां गांधी को कोई हिंदू, अल्हा है निगेहबान यहां भी वहां भी. खूंखार दरिंदो के नाम फकत नाम अलग हैं.'

प्यार भरा तोहफा : निदा फाजली को गुलाब भेंट करते छात्र-छात्राएं

बच्चों को हंसाना जीवन की सबसे बड़ी पूजा

निदा फाजली कहते है कि बच्चों को हंसाना जीवन की सबसे बड़ी पूजा है. उन्होंने तमन्ना फिल्म के लिए लिखा भी है कि अपना गम लेकर कहीं नही जाया जाये, किसी रोते हुए बच्चे को हंसाया जाये.

स्कूल जाना मंदिर जाने के समान

शिक्षा का मंदिर व्यक्ति को इनसान बनाता है. बच्चों का स्कूल जाना मंदिर में जाने के समान है. उन्होंने बच्चे के ऊपर अपनी शायरी के कुछ अंश सुनाये- 'हुआ सबेरा जमीन पर फिर अदब से आकाश सिर झुका रहा है, फिजां सजा रहा है कि बच्चा स्कूल जा रहा है. फरिश्ता निकला है, रोशनी का हर एक रास्ता चमक रहा है, ये वक्त वे है जमीं के हर जर्रे में मां का दिल धड़क रहा है.'

जवानी का रंग पॉलिटिक्स की तरह कच्चा नहीं

जो हम जी चुके हैं वो अतीत है,जो आनेवाला है वह भविष्य है और जो हमारे सामने है वह वर्तमान है. और वह वर्तमान आप (छात्र- छात्रा) है. मैं यहां आपके बीच आपकी उम्रों में सांस लेने लगा हूं, बच्चा या जवानी बहुत सच्चा होता है, अच्छा होता है. उसका रंग पॉलिटिक्स की तरह कच्चा नहीं होता. इस मौके पर कैटेलिस्ट ग्रुप के चेयरमैन वसंत कुमार अग्रवाल, सिमेज हेड नीरज अग्रवाल, सेंटर हेड मेधा अग्रवाल, नेहा , नवेंदु आदि उपस्थित थे.

Shalini Vatsa @ CIMAGE

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

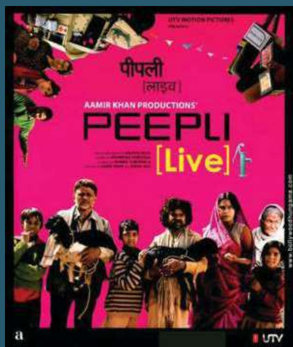

दैनिक जागरण

भोजपुरी फिल्मों में भी करूंगी काम : शालिनी वत्स

पटना : पटकथा अगर दमदार हो और वो जनसमस्याओं को उजागर करती हो तो भोजपुरी फिल्मों में काम करने मजा आयेगा। मैं थियेटर से निरंतर जुड़ी रहूंगी और सामाजिक महत्व वाली फिल्मों में जरूर काम करूंगी। उक्त बातें फिल्म पीपली लाइव में धनिया की भूमिका में अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने वाली अभिनेत्री शालिनी वत्स ने कहीं। वो गुरुवार को कैटलिस्ट मीडिया कालेज के छात्रों से रूबरू हो रही थी। उन्होंने पीपली लाइव व खुद को लेकर छात्रों के हर सवालों का जवाब दिया। बकौल शालिनी, पीपली लाइव समाज के हर वर्ग को संबोधित करती है। फिल्म में दिखाई गई समस्याओं का समाधान पूरे समाज को ढूंढना होगा। मीडिया के सशक्त भूमिका की सराहना करते हुए वो कहती हैं कि पहली फिल्म होने के कारण कैमरे का भय स्वाभाविक था। पर बाद में सबकुछ आसान हो गया। शालिनी वत्स ने कहा कि बिहारी छात्रों में काफी प्रतिभा है।

मौका मिलने पर इनकी प्रतिभा हर बार अपना कमाल दिखाती है। इससे पहले कैटलिस्ट मीडिया के विभागाध्यक्ष पुरुषोत्तम ने अभिनेत्री शालिनी वत्स का स्वागत किया। सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने उन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर तूलिका रचना, संजीव, अतुल, कशिश,प्रवीण समेत अन्य छात्रों ने पीपली लाइव की धनिया से अपने सवाल पूछे।

i next
हर दिल एक नई शुरुआत

चैलेंजिंग रोल की तलाश

सिमेज के इवेंट में पहुंची पीपली लाइव की धनिया

PATNA (16 Sept, I next) : ऐसे तो महंगाई ने पूरे देश को रुलाया, लेकिन 'पीपली लाइव' के सांग 'महंगाई डायन' के आने के बाद महंगाई और महंगी लगने लगी. फिल्म की शुरुआती पब्लिसिटी आमिर खान प्रोडक्शन के होने की वजह से हुई, तो बाद में इसका जिम्मा महंगाई डायन ने संभाल लिया. लेकिन, फिल्म जब सिनेमा हॉल्स तक पहुंची तो सिर्फ दो कैरेक्टर्स ने इसे लाइव बनाया. फर्स्ट, नत्था तो सेकेंड मूवी में वाइफ के रोल में 'धनिया' यानी शालिनी वत्स ने. गौरतलब है कि शालिनी वत्स पटना की हैं और अपनी पहली ही मूवी से छा गई हैं. शालिनी आज बॉलीवुड डायरेक्टर्स-प्रोड्यूसर्स की हिट लिस्ट में हैं और उन्हें ऑफर्स की कमी नहीं है. पीपली लाइव की धनिया से रातों-रात फेमस हुई शालिनी गुरुवार को सिमेज के प्रोग्राम में पार्टिसिपेट करने के लिए राजधानी में थी. इसमें उन्होंने स्टूडेंट्स से अपनी फीलिंग्स शेयर की.

रीयल स्केचिंग के लिए जरूरी

पहले सेंट जोसेफ कान्वेंट और बाद में पटना वीमेंस कॉलेज होते हुए आईपी यूनिवर्सिटी की प्रोडक्ट शालिनी वत्स को थिएटर में शुरू से ही दिलचस्पी है. सिमेज में स्टूडेंट्स से बातें करते वक्त उन्होंने बताया कि रोल चैलेंजिंग हो तो काम करने में अधिक मजा आता है. बलताक फिल्में करने का कोई मतलब नहीं है. शालिनी ने बताया कि स्टोरी और रोल में अगर दम हो तो भोजपुरी फिल्में भी करेंगी. शालिनी बताती हैं कि फिल्मों को रीयल बनाने के लिए पीपली लाइव में जो गाली-गलौज है, वह सुनने में तो अच्छा नहीं लगता, लेकिन मूवी की रीयल स्केचिंग के लिए यह बेहद जरूरी था. इस अवसर पर सिमेज के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल, कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज के एचओडी पुरुषोत्तम सहित काफी संख्या में स्टूडेंट्स भी मौजूद थे.

सिमेज के स्टूडेंट्स के साथ पीपली लाइव की धनिया शालिनी वत्स (बीच में).

पीपली लाइव आईना : शालिनी

समारोह में शालिनी का स्वागत करते कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज के विभागाध्यक्ष पुरुषोत्तम

■ कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज के छात्रों को फिल्म का बताया सच

पटना: पीपली लाइव समाज के किसी एक वर्ग को संबोधित करती हुई फिल्म नहीं है. किसान, राजनेता और मीडिया सभी तबके के लोगों को यह संबोधित करती है. किसानों की दयनीय दशा, घर-परिवार या समाज में महिलाओं की उपेक्षापूर्ण दशा और कुल मिला कर अभिवंचितों की दुर्दशा पर अनेक सवाल खड़ा करती है यह फिल्म. इन समस्याओं का समाधान पूरे समाज को ढूंढना है. यह कहना है फिल्म पीपली लाइव में सशक्त अभिनय के बल पर ... पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ... वत्स का. वह गुरुवार को ... कंप्लेक्स स्थित सिमेज कैंपस ... प्रेक्षागृह में कैटलिस्ट मीडिया ... को संबोधित कर रही थी.

कई मामलों में मीडिया ने सशक्त भूमिका भी निभायी है. संचार कर्मियों को अपने काम के दौरान जिन दबावों से गुजरना पड़ता है, उन पर भी फिल्म प्रकाश डालती है. फिल्म में किये गये गाली-गलौज या अभद्र भाषा के उपयोग तथा गांजा पीने- जैसे दृश्यों का फिल्मांकन समाज के यथार्थ चित्रण के लि... ...िक है. समारोह के आरंभ में ... मीडिया कॉलेज के विभागा... ... शालिनी का स्वागत कि... ...देशक नीरज अग्रवाल ने आभ...

Freshers Party

प्रभात खबर
बिहार जागे... देश आगे

फ्रेशर्स डे पार्टी में हुआ धमाल

महंगाई डायन के सुर में सुर मिलाते सिमेज के छात्र.

पटना : कैटलिस्ट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में हुई फ्रेशर्स डे पार्टी के मौके पर सोमवार को रंगारंग कार्यक्रम हुआ. इस दौरान बीबीए की छात्रा एकता झा को मिस टैलेंट और मीडिया कॉलेज के छात्र मनीष को मिस्टर टैलेंट घोषित किया गया. आयोजन के साथ ही सिमेज कॉलेज के सत्र 2010 के दूसरे बैच की शुरुआत हो गयी. कार्यक्रम में जानेमाने लेखक शरद जोशी द्वारा लिखित 'नेताजी के चार सवाल' की प्रस्तुति की गयी. कार्यक्रम के दौरान 'महंगाई डायन खाये जात है' की धूम रही. मौके पर बंसत कुमार अग्रवाल ने कहा कि औपचारिक शिक्षा के साथ छात्रों में मानवीय मूल्यों का

सिमेज के दूसरे बैच की शुरुआत

विकास करना आवश्यक है. सिमेज इस दिशा में प्रयत्नशील है. संस्थान की एचआर हेड मेघा अग्रवाल ने कैरियर कैटलिस्ट की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि कैरियर कैटलिस्ट के प्रयास से 26,000 छात्रों का प्लेसमेंट कराया जा चुका है. सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि बिहार के छात्रों में प्रतिभा है, अगर उन्हें सही दिशा दी जाये तो वे काफी कुछ कर सकते हैं. सिमेज के शिक्षक नीरज पोद्दार ने समारोह का संचालन किया.

दैनिक जागरण
संकल्प राष्ट्र सदा का

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते सिमेज कालेज के विद्यार्थी जागरण

'फ्रेशर्स डे' पार्टी में धमाल

पटना, हमारे प्रतिनिधि : सिमेज कालेज में सोमवार को दूसरा सत्र प्रारंभ हो गया। इस अवसर पर कालेज की ओर से भारतीय नृत्य कला मंदिर में फ्रेशर्स डे पार्टी का आयोजन किया गया। मौके पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें कालेज की छात्र-छात्राओं ने खूब धमाल मचाया। इस अवसर पर सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन करने की।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल डिग्री से काम नहीं चलने वाला है बल्कि उसके साथ-साथ विषय का ज्ञान भी होना बहुत जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा का सही उद्देश्य है व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों से अवगत कराना। श्री कुमार ने कहा कि अब पारंपरिक पढ़ाई के दिन लद गये हैं वर्तमान में छात्र-छात्राओं को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा देने की जरूरत है। सिमेज में छात्रों को मैनेजमेंट से संबंधित कोर्स पढ़ाये जा रहे हैं। खासकर एमबीए एवं पीजीडीएम की पढ़ाई कालेज में की जा रही है।

सिमेज कालेज में 2010 का दूसरा सत्र प्रारंभ

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन बसंत कुमार अग्रवाल ने कहा कि छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों का भी ख्याल रखने की जरूरत है। संस्थान की एचआर हेड मेघा अग्रवाल ने कहा कि सिमेज में त्रिस्तरीय प्लेसमेंट

city
Josheela Hindustan

Freshers Party

हिन्दुस्तान

जो है अलबेला मद नैनों वाला...

युवा रिपोर्टर

जो है अलबेला मद नैनों वाला, उसकी दीवानी ब्रज की हर बाला, वो किसना है...सबसे आगे होंगे हिन्दुस्तानी...महंगाई डायन खाए जात है..जैसे गाने और डांस से संगीत और मस्ती का जो एपिसोड शुरू हुआ उसने समूचे माहौल में जोश भर दिया।

हर प्रस्तुति पर स्टूडेंट्स जोर-जोर से तालियां बजा रहे थे। मौका था सोमवार को भारतीय नृत्य कला मंदिर में आयोजित सीमेज की फ्रेशर्स पार्टी का। स्टूडेंट्स ने कॉमेडी, डांस, एक्टिंग, नाटक से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बीबीए के स्टूडेंट मनीष ने जीना यहां, मरना यहां गीत पर स्लो डांस से राजकपूर की याद ताजा करा दी। नाटक के जरिये मुंबई आतंकी हमले का चित्रण किया गया। सीमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि बिहारी प्रतिभा को सही मार्गदर्शन की जरूरत है। इसे अगर सही तरीके से संवारा जाए तो ये रियल लाइफ में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहेंगे। संस्था के चेयरमैन बसंत कुमार अग्रवाल ने स्टूडेंट्स को अच्छे नागरिक और अच्छा इंसान बनने की सलाह दी। कार्यक्रम में संस्था की एचआर हेड मेधा अग्रवाल व डीन नीरज पोद्दार मौजूद थे।

सीमेज की फ्रेशर्स पार्टी में जूनियर्स ने बिखेरा जलवा

राष्ट्रीय सहारा

विश्वास से मिलती है सफलता : नीरज

सिमेज कॉलेज में मना फ्रेशर्स डे, सीनियर ने जूनियर का किया स्वागत

रंगारंग कार्यक्रम : फ्रेशर्स डे पर मंच पर जुटे सिमेज के छात्र। फोटो : एसएनबी

i next
Patna, 24 September, 2010

citylights

A Kodak moment

It's good

Lost in the performance

Great work

Smile plz...

Wow!

BINGO! moment of the day

An upbeat mood

Hum bhi hain josh me!

Attitude redefined

Captivated

Munching along

Flood Relief March

मददगार की कमी नहीं

फ्लड विक्टिम्स के लिए चंदा कलेक्ट करती गर्ल्स.

सम्पर्क विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी अपने एक दिन का वेतन राहत कोष में जमा किया.

राहत मार्च का आयोजन

इसके अलावा सिविल डिफेंस ने राजेन्द्रनगर टर्मिनल पर पीड़ितों के बीच राहत सामग्री बांटी. इसी तरह विश्व हिन्दू परिषद की ओर से वस्त्र बांटे गए, जबकि महावीर कैंसर संस्थान ने इंडोर चिकित्सा की शुरुआत की है. पीड़ितों की सेवा के लिए द कैरियर कैटेलिस्ट ने राहत मार्च में भाग लिया. यह मार्च अशोक राजपथ होते हुए बोरिंग रोड पर समाप्त हुआ.

Mr. Basant Kumar Agrawal, Chairman, Catalyst Group handing over Cheque for flood Relief Work to the head of Ram Krishna Mission Ashram, Patna

Dignitaries in Classroom

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

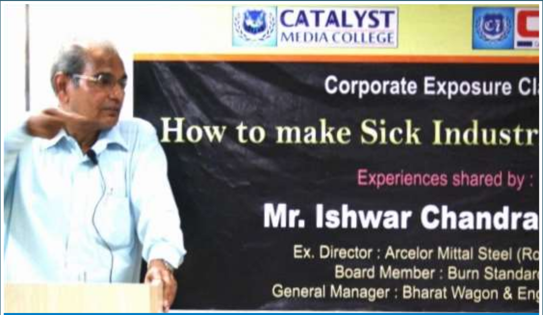

Mr. Ishwar Chandra Sinha, Ex. Director : Arcelor Mittal Steel (Romania Steel)

Dr. Ramesh Yadav, Chairman, Cradle Technologies, USA

Mr. B. B. Chaudhary, GM-Indian Oil

Mr. Suresh Banka, Group HR Head, Kalyanpur Cement & Hotel Maurya

Mr. Himanshu Kumar singh, Project Head- HPCL

Sri Vatsa, Assistant Director-Tourism Corporation

Mr. Debashish Satapathy, HR Head, Airtel

Prof. (Dr.) Nawal Kishore Chowdhury, Patna University, Senior Economist

Mr. Abhay Mohan Jha, Ex-Bureau Chief, NDTV

Prof. E. V.Gireesh, Corporate Trainer with PBIV, ISRO, BSNL, L&T, Reliance etc.

Prof. Rajesh Agrawal, Ex HOD-Finance, IIM Ahmedabad

Mr. Rajesh Kumar, Alumni-IIM Bangalore, Manager-UBI

Prof. Pushpendra, Dean, Tata Institute of Social Studies

Mr. Rajnish Mishra, Faculty, IIM, Indore

Emeritus Professor (Dr.) V. Sharan, JNU

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

Management Conclave

CIMAGE Management Conclave 2010

Management Mantra for a Successful Life by :

Dr. Vijay Batra
International Management Guru

Prof. B. B. Chakrabarti
HOD, Finance IIM Calcutta
Founder IIM, Ranchi

Prof. Sanjay Paswan
Prof. Patna University PMIR Dept.
Ex. Minister of State, HRD,
Govt. of India

Mr. B. B. Chaudhary
GM, Indian Oil

Mr. Bishwaroop Chatterjee
HR Head, TOI

Mr. H. S. Singh
Project Head, HPCL

Prof. Jyoti Verma
Patna University

Mr. Sanjeev Sharan
HR Head, MTS

Mr. Ratnakar Mishra
Ex. V.P. Lipton India

Mrs. Nisha Jha
Chair Person, Child Right Commission

Prof. T. P. Mallin
Ex. Principal, Vanijya Mahavidyalya

Prof. Janardan
Principal Scientist, ICAR

Management Conclave

CIMAGE Management Conclave 2010

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

राष्ट्रीय सहारा

छात्रों ने सीखे कामयाबी पाने के छह गुर

सिमेज मैनेजमेंट कॉन्क्लेव-2010

दैनिक जागरण

'सोच नियंत्रित कर हासिल की जा सकती सफलता'

सिमेज के 'मैनेजमेंट कान्क्लेव 2010' का आयोजन

प्रभात खबर

हर क्षेत्र में है प्रबंधन की जरूरत

सिमेज कॉन्क्लेव - 2010

बिहार के युवाओं में काफी प्रतिभा

हिन्दुस्तान युवा पटना लाइव

सिमेज के मैनेजमेंट कॉन्क्लेव में मौजूद छात्र-छात्राएं।

छात्रों को मिले सफलता के मंत्र

सिमेज का मैनेजमेंट कॉन्क्लेव

विजय बत्रा समेत आधा दर्जन वक्ताओं ने बढ़ाया छात्रों का हौसला

विजय बत्रा के साथ पुरस्कृत छात्र व छात्राएं।

स्टूडेंट को सम्मानित करते टीचर.

सिमेज के मैनमेजमेंट कनक्लेव में बताए गए सक्सेस मंत्रा

HR Conclave

Mr. Shishir Kumar, Circle Head, Bharti Airtel (Bihar-Jharkhand)

Prof. Neeraj Agrawal of CIMAGE honoring Mr. Rajan Dutta, President - HR, Reliance Communications - ADAG Group

Round Table Meet of HR Heads, Industry stalwarts & Academicians

Mr. Aquil Busrai, Ex. President, HR, IBM

Prof. Piyush Sinha, IIM-Ahmedabad

Mr. Anil Gaud, HR Head, Maruti Suzuki, Gurgaon

Mr. Anil Sharma, CMD, Amrapali Group

I NEXT

मोमेंटो देकर गेस्ट को सम्मानित करते सिमेज के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल.

सिर्फ सैलरी ही नहीं, कॅरियर इम्पॉर्टेंट

सिमेज का एचआर कंक्लेव

I next reporter

PATNA (28 Sept) : किसी भी कंपनी के सक्सेस में एचआरडी की भूमिका अहम् होती है. यदि कंपनी फ्लॉप करती है तो इसकी जिम्मेवारी भी एचआर डिपार्टमेंट की ही होती है. और अगर कोई कर्मचारी कंपनी छोड़ता है तो यह एचआरडी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. कर्मचारी हमेशा सैलरी के लिए ही संस्थान नहीं छोड़ते, बल्कि यह बेहतर कॅरियर के लिए भी संस्थान छोड़ते हैं. ये बातें रिलायंस कम्यूनिकेशन के एचआरडी डिपार्टमेंट के नेशनल प्रेसीडेंट राजन दत्ता ने होटल पाटलीपुत्रा अशोक में सिमेज द्वारा मंगलवार को आयोजित एचआर कंक्लेव में कही. कंक्लेव में पैनल विमर्श की अध्यक्षता सिमेज के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल ने की. उन्होंने कहा कि कंपनी की एचआर नीतियों में पारदर्शिता होनी चाहिए.

वहीं आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफसर पीयूष कुमार सिन्हा ने बताया कि समाजिक व आर्थिक दशा के अनुकूल ही कंपनी की नीति होनी चाहिए. इस मौके पर एमटीएस के बिहार-झारखंड हेड एमके सचदेवा और एयरटेल के बिहार-झारखंड हेड शिशिर कुमार भी उपस्थित थे.

HR Conclave

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

Mr. Sanjeev Saran - HR Head-MTS, Prof.. Neeraj Agrawal - Director-CIMAGE & Mr. D. Satapathy - HR Head- Airtel in a Panel Discussion

प्रभात खबर

बिहार जागे... देश जागे

बढ़ी है एचआर की जिम्मेवारी : राजन दत्ता

संवाददाता

पटना: आज मानव संसाधन की पुरानी अवधारणाओं में बदलाव आ चुका है. कंपनी की सफलता-विफलता और कर्मचारियों की उपलब्धियों के लिए एचआर पूरी तरह से जिम्मेदार है. उक्त बातें रिलायंस कम्यूनिकेशन के मानव संसाधन विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन दत्ता ने कहीं.

एचआर कॉनक्लेव

वे रविवार को होटल पाटलिपुत्र अशोक में मानव संसाधन कॉनक्लेव को संबोधित कर रहे थे. सिमेज, एनएचआरडी पटना चैप्टर और सीआइएमपी ने इसका आयोजन किया था. इसमें कर्मचारियों के दीर्घकालीन संबंध पर पैनल विमर्श की अध्यक्षता करते हुए सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि कर्मचारी संगठन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी हैं अगर कोई कर्मचारी किसी संगठन को छोड़ता है तो यह उसके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. किसी कंपनी की नौकरी केवल वेतन के लिए कर्मचारी नहीं छोड़ता है, बल्कि बेहतर कैरियर के लिए भी कर्मचारी नौकरी छोड़ते हैं.

परिवार की जिम्मेदारी और कंपनी की जिम्मेदारी में टकराव होने की स्थिति में भी कर्मचारी नौकरी छोड़ते हैं. आज के बदले हुए माहौल में मानव संसाधन प्रबंधकों के लिए इन स्थितियों का ध्यान रखना जरूरी है.

नीतियों के अनुकूल हो प्रबंधन

आइआइएम, अहमदाबाद के प्रो पीयूष कुमार सिन्हा ने देश की सामाजिक - आर्थिक दशा के अनुकूल प्रबंधन की नीतियों के अपनाये जाने पर जोर दिया. उन्होंने रिटेल क्षेत्र में फ्रेशर्स के लिए बढ़ती संभावनाओं पर भी चर्चा की और कहा कि किसानों को बाजार से जोड़ने के लिए रिटेल स्टोर शृंखला की आवश्यकता है.

नीरज अग्रवाल और मेघा अग्रवाल ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर मारुति के राष्ट्रीय एचआर प्रधान अनिल गौड़, आइबीएम के राष्ट्रीय सचिव प्रधान अकील बुसराई, एमटीएस के एचआर प्रधान संजीव शरण मौजूद थे.

अतिथि को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते श्री अग्रवाल.

Mr. P. N. Singh,
Chairman - Grid Institute, Mumbai

Prof. Janak Pandey
Vice Chancellor, Central University of Bihar

Mr. Sanjay Kumar
HR Head, Alkem Laboratories

Mr. M. K. Sachdeva,
Circle Head - MTS, Bihar-Jharkhand

Mr. A. M. Prasad
Chairman, NHRD, Patna (Retd. IRS Officer)

Mr. B. B. Chaudhary
General Manager
Indian Oil

Mrs. Nisha Jha
Chairperson
Child Rights Commission

Mr. Sanjay Singh
Head HR
Reliance Comm.

Mr. J. P. Sinha
Ex. DIG
Bihar Police

Mr. B. R. Chatterjee
Head HR,
Times of India

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

Editor's Meet

भारतीय पत्रकारिता ने कई सोपान तय किये। मनीषी संपादकों ने उसे शिखर तक पहुंचाया। लेकिन शिखर के पायदानों को तय करते–करते बदलता गया पत्रकारिता का रंग–ढंग और मिज़ाज।

क्या कल का मिशन आज महज प्रोफेशन बन चुका है?
क्या एकदम से बदल चुकी है संपादकों की भूमिका?
प्रतिबद्धता और बाजार के बीच क्या जूझ रही है आज की पत्रकारिता?
क्या सोच रहे संपादक... कैसी है ये जद्दोज़हद?
या फिर यही है, आज की पत्रकारिता के विकास का रंग?
समझने और समझाने को, एक मंच पर जुटे तमाम दिग्गज संपादक

CATALYST MEDIA COLLEGE

क्लासरूम से स्टूडियो तक,
गाँव के चौपाल से सत्ता के गलियारों तक
इतिहास के झरोंखों से भविष्य की उड़ान तक
अखबारों से टीवी चैनलों और ब्लॉग तक
हम पत्रकारिता पढ़ाते हैं
आधुनिक तकनीक और अंदाज सिखाते हैं
हम पत्रकारिता का मिज़ाज बनाते हैं

पटना में पत्रकारिता के स्याह और सच पर मुखर हुए संपादक

संपादकों ने मिल–बैठ किया पत्रकारिता के बदलते परिदृश्य पर चिंतन

Editors of Rashtriya Sahara, Times of India, Hindustan, Prabhat Khabar, Outlook & BBC correspondence with Kuldip Nayar

वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर पटना में सीमेज – कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज द्वारा आहूत 'पत्रकारिता का बदलता परिप्रेक्ष्य और संपादक' विषय पर आयोजित 'एडिटर्स मीट' में तारामंडल सभागार में सैकड़ों लोगों से मुखातिब हुए। कार्यक्रम में श्री नैयर के अलावा कई समाचार पत्र–पत्रिकाओं के संपादक एक मंच पर इकटठा हुए और अपने मंतव्य रखे। शिरकत करने वाले संपादकों में प्रभात खबर के प्रधान संपादक हरिवंश, हिन्दुस्तान के वरीय स्थानीय संपादक अकु श्रीवास्तव, आउटलुक हिन्दी के संपादक नीलाभ मिश्र, राष्ट्रीय सहारा के स्थानीय संपादक हरीश पाठक, टाइम्स ऑफ इंडिया के वरीय सहायक संपादक राजकुमार और बी बी सी के बिहार प्रमुख मणिकांत ठाकुर मुख्य थे।

कार्यक्रम में सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सिमेज और कैटलिस्ट मीडिया बदलते दौर को देखते हुए मीडिया एजुकेशन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकि के साथ सरोकार से लैश पढाई की पक्षधर है। नयी पौध के संग निदा फाजली हों या एडिटर्स मीट में आये संपादक, ऐसे आयोजनों को पटना में मंच देने का यह सिलसिला हम आगे भी कायम रखेंगे। श्री अग्रवाल ने बिहार के गांव, कस्बे और जिलों में वैसे मेधावी छात्रों को छात्रवृति के जरिये कैटलिस्ट से निःशुल्क पत्रकारिता पढ़ाने की घोषणा की जिनके अंदर पत्रकारिता के बीज तत्व और दृष्टि मौजूद हैं।

कार्यक्रम का आगाज करते हुए सिमेज के मीडिया हेड चर्चित पत्रकार नवेन्दु ने कहा कि यह एडिटर्स मीट इस मामले में ऐतिहासिक है कि मीडिया के बदलते परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए संपादकों की यह टोली एक मंच पर इकटठा हुई है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण देश सहित बिहार में पिछले दो दशकों में मीडिया के अंदर जो बदलाव आये हैं हम चाहते हैं कि यह गोष्ठी उस बदलाव को चिहित करे। समाचार पत्र घरानों को अखबार बेचना था लेकिन अब तो खबरें ही बिक रही हैं। उन्होंने पत्रकारिता की गिरती शाख, वहां हावी विज्ञापनी कल्चर और समय समाज से छूटते उसके सरोकार जैसे विषयों को अपने संक्षिप्त उदबोधन में बड़े तार्किक ढंग से पेश किया। पत्रकारिता की नयी पीढ़ी और छात्र जानना चाहते हैं कि आज की ग्रोइंग मीडिया इंडस्ट्री में पत्रकारिता के साथ कैसे करें कदम ताल? यह कहते हुए उन्होंने पत्रकारिता के लीजेंड कुलदीप नैयर को आमंत्रित किया।

Audience at CIMAGE Editors Meet, 2010

कुलदीप नैयर ने अपने लंबे व्याख्यान में पत्रकारिता में आये बदलाव के कई बिंदुओं को रेखांकित किया। नेहरू युग का जिक्र करते हुए श्री नैयर ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू का विजन था कि अखबार का रॉल क्या हो? उनका ख्याल था कि अखबार वाले अपोजिशन का रॉल अदा करेंगे। श्री नैयर ने बतलाया कि नेहरू की दूसरी सोच यह थी कि अखबार मालिक हिन्दुस्तान के हीं हों, बाहर के नहीं। उस समय स्टेटसमैन से लेकर पायोनियर आदि जितने बड़े अखबार थे उसके मालिक बाहर के थे। अंग्रेज चले गए, लेकिन जिम्मेवारी रहित प्रेस अपने यहां कायम रहा। कुलदीप नैयर ने बतलाया कि सन

पत्रकारिता का बदलता परिदृश्य और संपादक

Kuldip Nayar addressing at Editors' Meet

1970 तक अखबार प्रबंधन संपादक के पीछे ही रहा। हालांकि तब भी 'विजनेस' उनका उद्देश्य था, लेकिन शायद ही कोई संपादक इसकी परवाह करता था। 70 तक बड़ी इज्जत थी अखबार वालों की, लेकिन 75 से अखबार का डाउन फॉल शुरू हुआ। इमरजेंसी एक ऐसा अभिशाप थी जिसने भारतीय पत्रकारिता की बुनियाद हिला दी। इंदिरा जी ने उसकी स्वायतता को पूरी तरह रौंद दिया। कुलदीप नैयर ने बतलाया कि इमरजेंसी उनके जीवन का सबसे बड़ा सदमा थी। इतनी पीड़ा उन्हें उस वक्त भी नहीं पहुंची थी जब घर से विस्थापित होकर उन्होंने बाघा बार्डर पार किया था।

कुलदीप नैयर ने हाल में चर्चा में आये पेड न्यूज के सवाल को भी उठाया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों ने पैसा दिया और मालिक, उम्मीदवार सभी इस पाप में भागीदार रहे। क्रेडिविलिटी का सवाल अहम है। इमरजेंसी के समय हम डर से और अब पैसे के लिए गिर गए। पहले के जर्नलिस्ट ऐसी धंधेबाजी में संलिप्त नहीं थे। कोई–कोई ही ऐसा मिलता था। लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं। अब कोई–कोई ही ईमानदार मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारी क्रेडिविलिटी तभी आएगी जब ईमानदारी से हम धर्म, जाति, राजनीति और पैसे पर न बिकने को संकल्पित हों। उन्होंने कहा कि नया संकट यह है कि आज पत्रकारिता पर सरकार से ज्यादा कॉरपोरेट सेक्टर का दबाब है। उन्होंने कहा कि पाठक अभी भी समझता है कि जो भी छपता है वह सच है। वर्तमान में पत्रकारिता को इस अधःपतन से से उबरने के लिए उन्होंने दो वैकल्पिक सुझाव दिए : (1) पूरे देश में 26 जून को एंटी सेंसरशिप डे मनाया जाए और (2) मीडिया कमीशन बनाया जाए।

अगर प्रेस कमीशन बने तो पुरानी चीजों का ध्यान रखते हुए मालिक, संपादक पत्रकार और पाठकों के रिश्ते से संबद्व नीतियां बने। उन्होने कहा कि प्रजातंत्र में न्यायपालिका और प्रेस–इन्हीं दो सेटअप पर लोगों की आस्था थी। लेकिन ये दोनों सिस्टम क्रैक हो रहे हैं। यहां भी पैसे का खेल अहम हो गया है। आज मोरेलिटी और पॉलिटिक्स अलग हो गए हैं। इन स्थितियों से मुक्ति के लिए हमें एक और आजादी की लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

Students welcoming Kuldip Nayar

हिन्दुस्तान पटना के संपादक अकु श्रीवास्तव ने कहा कि जब भी वे नए पत्रकारों से बावस्ता होते हैं तो भाषा और जेनरल नॉलेज के मामले में उन्हें कमजोर पाते हैं। अगर इन दो तरह के ज्ञान से नए पत्रकार भरे–पूरे हों तो हिन्दी पत्रकारिता के लिए अच्छी बात हो। उन्होंने कहा कि आज की पत्रकारिता का संकट यह है कि यहां हमें 77 की तरह कोई सोशल टारगेट दिखलायी नहीं पड़ता। सन 80–84 के बाद परिदृश्य बदलता गया, लेकिन स्पष्ट सोच नहीं होने के कारण पत्रकारिता में कोई बदलाव हमें नहीं दिखा। श्री अकु ने कहा कि आज का अखबार कई अर्थों में पूर्ववर्ती अखबारों से महत्वपूर्ण साबित हुआ है। आज का अखबार पहले की तरह घटनाओं का रोजनामचा मात्र नहीं है अपितु जरूरत को देखने दिखलाने का अखबार है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पाठक हमारे लिए ग्राहक हैं। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता की चुनौतियां बदली हैं। कहीं–कहीं विचार भी बिकने लगे हैं। उन्होंने कहा पाठकों का सब पता होता है कि अखबार कहां गलत कर रहा है और कहां सीना ठोककर ईमान की बात कर रहा है। व्यावसायिकता के इस दौर में मुझे ऐसा लगता है कि पत्रकारिता की शाख को बचाये रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

Chairman, Catalyst Group presenting momento to Mr. Akku Srivastava, R Editor, Hindustan, Patna

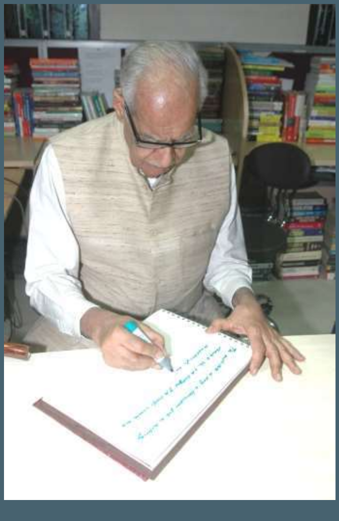

आउटलुक के संपादक नीलाभ मिश्र ने विषय के सभी पहलुओं को बारीकी से स्पर्श किया। उन्होंने शुरुआत ही सवाल से किया। कहा बदलता परिदृश्य है क्या? उसका नक्शा क्या है? इसमें कहां दूरियां हैं? नयी पीढ़ी की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उसके लिए इमरजेंसी इतिहास है, यह उसकी चेतना में नहीं है। नीलाभ ने नयी पीढ़ी में व्याप्त आधरहीनता के बारे में भी बतलाया कि किस तरह दिल्ली वि वि में हुए एक सर्वे में 95 प्रतिशत छात्रों को यह नहीं मालूम था कि इमरजेंसी क्या है? उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता में आज का परिदृश्य, सरोकार और उसकी चिंताएं बदल चुकी हैं। आज के संपादक जब तक इन स्थितियों को समझेंगे नहीं तब तक समस्या का हल संभव नहीं। उन्होंने कहा कि आज भारत में अखबार की प्रसार संख्या में विश्व के दूसरे देशों की बनिस्पत बड़ी तेजी से इजाफा हुआ है इसकी वजह यह है कि यहां जनसंख्या वृद्वि के साथ ही साक्षरता का भी विस्फोट हुआ है। विकसित देशों में जनसंख्या स्थगित होने की वजह से वहां पत्र उद्योग के सामने संकट की स्थितियां आ गयी हैं जबकि भारत में मीडिया ने अपना एक नया स्वरूप अख्तियार किया है।

Harivansh, Editor, Prabhat Khabar, Neelabh Mishra, Editor, Outlook & Manikant Thakur, State Bureau, BBC

Editor's Meet

यहां बढ़ती जनसंख्या और साक्षरता के दबाव में ब्लाक स्तर से भी अखबार निकलने लगे हैं लेकिन इससे खबरों में विखंडन की भी स्थितियां आयी हैं। जिसके कारण पड़ोस की खबर से दूसरे संस्करण वाले वंचित रह जाते हैं। नीलाभ ने कहा कि अखबार पहले भी कमायी के साधन थे, लेकिन उसमें मिशन का भाव था। आजादी की लड़ाई से लेकर बाद के दिनों तक इसके अंदर यह मिशनरी भावना कायम रही, लेकिन जब से ग्लोबल पूंजी का खेल आरंभ हुआ इससे मिशन भाव का लोप हो गया। उन्होंने कहा कि हर धंधा एक प्रोफेशन है इससे एलर्जी उचित नहीं। बल्कि इस प्रोफेशन को गंदा करने वालों की शिनाख्त जरूरी है।

प्रभात खबर के प्रधान संपादक हरिवंश ने निजी अनुभवों से अपनी बात आरंभ की। उन्होंने बताया कि इमरजेंसी के समय जब वे छात्र थे तो अपने मित्र के साथ एजुकेशनल टूर पर दिल्ली गए थे। यहां उनका उद्देश्य जेल से छुटकर आये कुलदीप नैयर से मिलना था। उन्होंने उन स्थितियों का जिक्र किया और बतलाया कि पत्रकारिता का रास्ता उन्होंने क्यों अपनाया? उस दौर में पत्रकारिता की फिलॉसफी थी सच के साथ खड़ा होना। हरिवंश ने कहा कि पत्रकारिता में आने की प्रेरणा उन्हें कुलदीप नैयर से मिली। कुलदीप जी जहां जाते थे वहां फालोअप होता था। उस दौर की जरूरतों और बाद में इमरजेंसी ने मुझे पत्रकारिता में बने रहने का संबल दिया। उन्होंने कहा कि बाद में जेपी ने बड़े बदलाव के लिए अपनी बात कही। इमरजेंसी लगी तो तत्काल कुछ दिखलायी नहीं पड़ा।

हरिवंश ने कहा कि तब के समाज में और खासकर राजनीति में आइडियोलॉजी थी तो उसकी एक बड़ी वजह यह थी कि समाजवादी युवाजन सभा, आर एस एस और कम्युनिस्ट पार्टी से प्रभावित युवाओं की एक बड़ी संख्या पत्रकारिता में आयी जिसकी वजह से इसमें यह आदर्श कायम रहा। उस दौर के पत्रकार मुददों के साथ खड़े होने का विकल्प तलाशते थे। आज के समाज में उस तरह की ईमानदार आवाज दिखायी नहीं पड़ती इसलिए यह कैरियर बन गई है। आज विचारों की दुनिया संकट में है। हरिवंश ने कहा कि बाजारवाद और उपभोक्तावाद के अच्छे और बुरे दोनों पहलू हैं, अधिक से अधिक लाभ और उनका उद्वेश्य है। आज मीडिया के बड़े व्यावसायिक घराने सिर्फ मुनाफा नहीं अधिकतम लाभ के फेरे में हैं ऐसे में छोटे समाचार पत्र के सामने संकट की स्थितियां पैदा हो गई हैं। पेड न्यूज प्रकरण महाराष्ट्, गुजरात समेत पूरे देश में जिस तरह से परवान चढ़ा वह दुखद स्थितियों का सूचक है। विडंबना यह कि कोई सांसद इसे संसद में मुददा नहीं बनाता।

हरिवंश ने कहा कि कंज्यूमर सोसाइटी हमेशा लोभी समाज को पैदा करता है। प्रतिबद्वता आती है आदर्श से। किसी सोच के प्रति झुकाव से। आज एक्सट्रीम लेफ्ट से एक्सट्रीम राइट की ओर कब कौन टर्न कर जाएगा कहना मुश्किल है।

राष्ट्रीय सहारा के संपादक हरीश पाठक ने कहा कि जब–जब अखबार जनसरोकार से दूर हुए हैं उनका नामलेवा कोई नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि यह खबरों के विस्फोट का दौर है जिसमें ब्रांड मैनेजर ही चीजों को तय करता है। श्री पाठक ने ज्यादातर अपने काम के अनुभवों को शेयर किया और आज के बदलते हुए परिप्रेक्ष्य को उन घटनाओं से को–रिलेट करने की कोशिश की। जनसरोकार का आभाव और व्यावसायिक दबाब के बीच आज जरूरत इस बात की है कि अखबार जन संपर्क और जन सरोकारों से जुड़े। इसी में अखबार की वृद्धि होगी और पत्रकारिता की प्रतिबद्धता भी कायम रहेगी।

CIMAGE Editors Meet, 2010

बी बी सी रिपोर्टर मणिकांत ठाकुर ने कहा कि आज अखबारों के पतन का अनुमान इसी से लगाया जा सकता हैं कि यहां पूंजी मुखर होकर अखबारों के पन्नों पर दिख रही है। श्री ठाकुर ने हरिवंश का नाम लेकर कहा कि आखिर क्या वजह है कि उनका प्रभात खबर अब बदले–बदले अंदाज में दिखता है। उनका स्पष्ट इशारा बिहार के बड़े अखबारों के साथ उनके अखबार के भी सरकारी भोंपू

पत्रकारिता का बदलता परिदृश्य और संपादक

में तब्दिल हो जाने की ओर था। जबकि अख्बार नहीं आंदोलन का स्लोगन लिए कभी यह अखबार लोगों को लुभाता था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह दुखद कि बिहार में बढ़ते भ्रष्टाचार अखबारों की सुर्खियां नहीं बनते ? साथ ही बिहार की मीडिया वंचित वर्गो की आवाज को गौण कर रही है। श्री ठाकुर ने कहा कि आलम यह कि समाचार पत्र प्रचार पत्र का रूप लेते जा रहे हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया के राजकुमार ने कहा कि सामाजिक जिम्मेवारी अगर नौकरी करते हुए हम निभायें तो यह अच्छी बात होगी। पेट भी भरे और क्रांति भी हो यह बात ही व्यवहारिक है। अन्यथा पत्रकारिता के जरिये बदलाव या क्रांति की उम्मीद करना यूटोपिया में जीना है।

एडिटर्स मीट में शामिल सभी लोग मीडिया कमीशन बनाने और एंटी सेंसरशीप डे मनाने के कुलदीप नैयर के प्रस्तावों पर सहमत दिखे।

सिमेज के चेयरमैन वसंत अग्रवाल ने संपादकों को कलम और स्मृति चिहन भेंट किया।

Moulding Minds for Media

हिन्दुस्तान

पाठकों का विश्वास बनाए रखना बड़ी चुनौती : नैयर

पत्रकारिता का बदलता परिदृश्य व संपादक पर हुए सेमिनार में वक्ताओं ने दी राय

हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

पटना

पत्रकारिता में उसूल, आदर्श और हिम्मत बहुत जरूरी है। पाठकों का भरोसा है कि अखबार में जो छपता है वह सही है। पाठकों का यह विश्वास बनाए रखना अखबारों के लिए एक बड़ी चुनौती है। ये बातें देश के वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर ने कही। वे सिमेज व कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज द्वारा शनिवार को तारामंडल सभागार में 'पत्रकारिता का बदलता परिदृश्य और संपादक' विषय पर आयोजित एडिटर्स मीट में अपनी बात कह रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मीडिया पर काफी अधिक दबाव है। आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने अखबारों को लिखने से कभी नहीं रोका। 1975 में आपात काल लगने के बाद अखबारों पर जबर्दस्त असर पड़ा। हालांकि 1977 तक सबकुछ ठीक ठाक था। उन्होंने मीडिया में फैले भ्रष्टाचार पर कहा कि पहले यह देखा जाता था कि कौन बेइमान हैं और अब देखा जाता है कि कौन ईमानदार हैं। राजनीतिक लोग अब वोट के लिए सबकुछ करते हैं। वे देश के लिए कुछ भी नहीं करते हैं। श्री नैयर ने कहा कि पत्रकारों को आजादी की एक और लड़ाई लड़नी पड़ेगी। 'हिन्दुस्तान' के वरिष्ठ स्थानीय संपादक अकु श्रीवास्तव ने कहा कि बदलाव एक प्रक्रिया है और इससे बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज की पीढ़ी में जितनी ईमानदारी है वह दस वर्ष और बरकरार रही तो इसे कोई हिला नहीं सकेगा। आउटलुक के संपादक निलाभ मिश्र ने कहा कि भारत में जनसंख्या और साक्षरता बढ़ रही है। संपादकों को भी नई चुनौतियों का सामना करते हुए रास्ता निकालना होगा। राष्ट्रीय सहारा के स्थानीय संपादक हरीश पाठक ने कहा कि अखबारों को जनसरोकार से जुड़ी खबरों को अधिक महत्व देना चाहिए।

शनिवार को तारामंडल में हुए सेमिनार के दौरान मंच पर बैठे बाएं से प्रख्यात पत्रकार कुलदीप नैयर, प्रभात खबर के प्रधान संपादक हरिवंश, आउटलुक के संपादक नीलाभ मिश्रा और बीबीसी के रीजनल हेड मणिकांत ठाकुर।

प्रभात खबर के प्रधान संपादक हरिवंश ने कहा कि देश व राज्य में फैले भ्रष्टाचार को रोकना होगा और इसमें मीडिया की भूमिका अहम है। बीबीसी के रीजनल हेड मणिकांत ठाकुर ने कहा कि सच और साहस वाली पत्रकारिता पर ध्यान देने की जरूरत है। टाइम्स ऑफ इंडिया के वरिष्ठ सहायक संपादक राजकुमार ने कहा कि अच्छी नौकरी के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के मीडिया हेड नवेंदु ने किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक नीरज अग्रवाल व अध्यक्ष बसंत कुमार अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे।

SUNDAY hindustantimes

Kuldip calls for a media commission

Aloke Chatterjee

PATNA: Veteran journalist Kuldip Nayar urged countywide journalists to observe anti-censorship day each year on June 26. He also demanded the setting up of a Media Commission to define the role of journalists, owners and non-journalists, editors.

With cash-for-news running rampant in 99.9 percent media houses and credibility of journalists at its lowest ebb in the history of journalism, a Media Commission has become a dire need for the times, said the former High Commissioner to UK and former Rajya Sabha member.

Addressing an editors' meet on 'Changing scenario of journalism and editors' organized by Catalyst Media College and CIMAGE at Planetarium auditorium here on Saturday, he gave a call to journalists on the threshold of entering the profession, to launch a campaign to remove the taint often associated with journalists and to serve the poor.

"Drive away the fear of losing your job and never be dishonest to your profession. Believe in yourself," Nayar advised. He claimed all politicians were corrupt. "All of them work for power and never for the nation. All of you must campaign against poverty, hunger, caste and religion. Let pluralism and the constitution be your guiding spirit," he added.

Nayar, one of the few surviving journalists who reported the assassination of Mahatma Gandhi, regretted the judiciary and the press- two pillars of democracy- have started cracking. Morality has vanished from politics after the Emergency, he stated, having borne the brunt of excesses during the time.

The former MP said the Parliament was incapable of providing a directive to take the country out of its present mess. Vehemently opposed to the use of gun for finding solutions to vexing issues, he gave a call for a second battle of freedom as the country's independence was threatened.

However, contesting the opinion of Nayar, Aaku Srivastava, Senior Resident Editor, Hindustan, argued that journalism had lost some of its sheen of the 70s and 80s due to the fact that social targets were not visible today. "JP's 1974 movement was on the verge of collapse when Indira Gandhi clamped emergency and the press had much to write about," he added. Change, Srivastava maintained, was a continuous process. Otherwise, there would be no development, he added.

Neelabh Mishra, Editor, Outlook (Hindi), sounded positive and said despite all drawbacks, the print media was growing, thanks to higher rates of literacy, sending newspaper circulation figures soaring. "I am confident, newspapers may even locate in every district and block headquarter," he added.

"Journalists, who entered the profession during emergency, had the conviction to stand by the truth, as proved by the likes of JP, Nayar and others," said Harivansh, Chief Editor, Prabhat Khabar. Ideology in those days, he said, was still part of politics, which is no more true, he added. Harish Pathak, Resident Editor, Rashtriya Sahara, Manikant Thakur, Regional Head, BBC and Rajkumar, Senior Assistant Editor, Times of India, also spoke.

(Second from left) Kuldip Nayar and others at an editors' meet in Patna on Saturday. HT PHOTO

قومی تنظیم

QAUMI TANZEEM

Qaumi Tanzeem, Patna Sunday-21 March,2010

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

पत्रकारिता पर आज व्यावसायिक घरानों का दबाव

बिहार से ही निकलेगा अगला जेपी

प्रभात खबर

बिहार जागे... देश आगे

मीडिया कमीशन बनाने की जरूरत : कुलदीप नैयर

नैयर की ऑटोबायोग्राफी का प्रकाशन शीघ्र

सन्मार्ग

...ग्रा आयोग गठित करे सरकार : कुलदीप नैयर

SUNDAY TIMES

Kuldip Nayar's mantra for CIMAGE students

TIMES NEWS NETWORK

Patna: Eminent journalist Kuldip Nayar has said that journalists across the country should observe June 26 as the 'national censorship day' as it was on this day in 1975 that the fourth estate of the country scared of Indira Gandhi's Emergency, surrendered its freedom.

Addressing an Editors' Meet organized by CIMAGE and Catalyst Media College here on Saturday, Nayar recalled the high standards of journalism during colonial and post-colonial days till 1975. "The commitment of journalists to social values is now missing," he said and added the need of the hour is to introspect why we could not realise the dreams of Gandhi and JP ...

... pressed concern over growing commercialization of media while others defended it saying a "saleable news-item" is not necessarily a trivia. "An editor has to think about what kind of information his readers would look for in tomorrow's paper and slot news-items, columns and entertainment pieces accordingly," pleaded one of them.

Earlier, CIMAGE director Neeraj Agrawal, while welcoming the guests, announced that CIMAGE would launch a talent search to identify poor students aspiring to become journalists and offer them scholarships to help them realise their ambition. Catalyst Media College's HoD Navendu conducted the proceedings while CIMAGE chairman Basant Kumar Agrawal thanked the guests.

Nayar later interacted with students of Catalyst Media College on college premises.

EDITORS' MEET

CRIME : Police & Media

Role & Responsibilities of Media & co-ordination between Police & Media

क्राइम रिपोर्टिंग...
सिर्फ सनसनी ही नहीं, एक जिम्मेदारी का काम...
कैसे करें क्राइम रिपोर्टिंग...
तथ्यपरक एवं सनसनीखेज रिपोर्टिंग के बीच का फर्क...

एक जुनून... एक मुहिम...
इंसाफ दिलाने की...
गुनाहगारों को सलाखों के पीछे पहुँचाने की...

क्या हो मीडिया की भूमिका...
क्या हो मापदंड... क्या हो सीमाएँ...

सीधा संवाद बिहार के पुलिस प्रमुख आनंद शंकर और
आजतक के वरिष्ठ ऐंकर व क्राइम रिपोर्टर शम्स ताहिर खान के साथ

Pranav Kumar Chaudhary, Times of India

Kumar Abhishek, Sr. Reporter, Aajtak

Rajesh Ranjan, Deputy News Editor, Hindustan

Navendu, Political Editor, Maurya TV

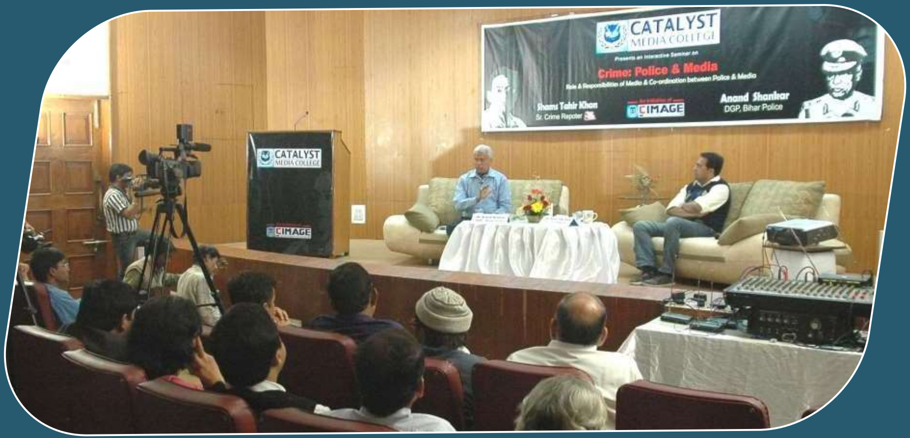

Students raising questions in the Seminar

CRIME : Police & Media

Role & Responsibilities of Media & co-ordination between Police & Media

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

हिन्दुस्तान

मीडिया हैव डन ए ग्रेट सर्विस : डीजीपी

मीडिया और पुलिस विषय पर सेमिनार, दोनों की भूमिकाओं पर खूब हुई बहस

वरीय संवाददाता

पटना

मीडिया और पुलिस। शनिवार को दोनों की भूमिकाओं पर बहस छिड़ी। रिपोर्टिंग के चक्कर में सबूत नष्ट होते हैं और परेशान होती है पुलिस। खामियों को गिनाने के साथ राज्य के पुलिस प्रमुख ने मीडिया की खूबियों को रेखांकित करते हुए कहा 'यू हैव डन ए ग्रेट सर्विस'। 'पुलिस से पहले मौके पर पहुंच रही मीडिया' के सवाल पर इसे पुलिस की नाकामी बताई गई। पुलिस महानिदेशक आनंद शंकर और न्यूज चैनल 'आज तक' के सीनियर क्राइम रिपोर्टर शम्स ताहिर खान ने एक-दूसरे से अपने पेशे की अपेक्षा बताई। मौका था तारामंडल सभागार में 'कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज' द्वारा 'क्राइम : मीडिया और पुलिस' विषय पर आयोजित सेमिनार का।

डीजीपी ने कहा कि पत्रकारों को जानकारी देने के लिए हर जिले में एक नोडल अफसर तैनात होने चाहिये। वरिष्ठ पत्रकार शम्स ताहिर खान ने कहा कि रिपोर्टर और पुलिस के बीच नाजुक रिश्ता होता है। यह दोस्ती गर्ल फ्रेंड व ब्वॉय फ्रेंड की तरह होनी चाहिये। पुलिस द्वारा मीडिया ब्रीफिंग का सिस्टम नहीं किये जाने के मामले में-उन्होंने बिहार को इकलौता राज्य बताया। सेमिनार में कैटलिस्ट के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल, एचओडी नवेन्दु, चेयर मैन वसंत अग्रवाल ने भी अपने विचार रखें।

खबर

सबूत सुरक्षित रखने में मीडिया करे सहयोग

आज

मीडिया और पुलिस में समन्वय आवश्यक

राष्ट्रीय सहारा

सूबे में फोरेंसिक जांच की व्यवस्था ठीक नहीं

Tribute to Martyrs 26/11

26/11 शहर ने दी मुम्बई हमलों के शहीद जाबांजों को श्रद्धांजलि

दैनिक जागरण

कहीं याद में जलीं मोमबत्तियां तो किसी ने निकाला मार्च

आतंकवाद के खिलाफ आम शहरी ने दिखाई प्रतिबद्धता

पटना, हमारे कार्यालय संवाददाता : मुम्बई में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर राजधानीवासी गमगीन रहे। इस हमले में मारे गये जाबांजों को लोगों ने अपने-अपने तरीकों से श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता दुहराई।

संत कैरेंस सेकेंड्री स्कूल, खगौल के बच्चों ने मुम्बई हमले की पहली बरसी पर राजभवन के समीप स्थित देश के प्रथम राष्ट्रपति डा.राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा के समक्ष मानव श्रृंखला बनाई। स्कूली बच्चे हाथों में बैनर व प्ले कार्ड लिये थे। जिसमें आतंकवाद के खिलाफ स्लोगन लिखे थे। बच्चों ने शांति के समर्थन में हम सब एक हैं के नारे लगाये। बाद में इस घटना में मारे गये लोगों के चित्रों के समक्ष बच्चों ने मोमबत्तियां जला अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना आयोजित की गई। विद्यालय की प्राचार्या अनिता ने मौके पर विश्व शांति की कामना की।

मौर्या लोक काम्पलेक्स के समीप आतंकी हमले के शिकार लोगों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आइडिया सेल्युलर के 'टाक फार इंडिया' कार्यक्रम के संबंध में दी गई जानकारी के अनुसार 'टाक फार इंडिया आवर' में 26 नवम्बर को रात 8.36 बजे से 9.36 के बीच देश के अंदर की जाने वाली सभी वायस कालों से होने वाली कुल आय भारत सरकार को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए दान स्वरूप भेंट की जायेगी।

'सिमेज' और 'दी कैरियर कैटेलिस्ट' संस्थान की तरफ से इस मौके पर कैंडिल मार्च का आयोजन किया गया। हाथों में मोमबत्तियां लिये छात्रों ने सिमेज मैनेजमेंट एंड मीडिया कैम्पस से मार्च शुरु किया और बोरिंग रोड चौराहे तक गये। जहां मार्च एक श्रद्धांजलि सभा में बदल गई। यहां आतंकवाद विरोधी कैनवास बोर्ड पर सैकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर कर अपनी एकता का प्रदर्शन किया। मौके पर सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल भी मौजूद थे।

सिविल डिफेंस की तरफ से गुरुवार को मुम्बई हमले की पहली बरसी पर आतंकवाद विरोधी मार्च निकाला गया। जिसका नेतृत्व सिविल डिफेंस के आफिसर कमांडिंग सह चीफ वार्डेन एस.एन.श्याम ने किया। सुबह करीब दस बजे स्थानीय डाक बंगला चौराहा से मार्च प्रारंभ हुआ जो राजधानी के विभिन्न इलाकों से होता हुआ कारगिल चौक तक गया। जहां दो मिनट का मौन रख लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मार्च में सार्जेंट मेजर शांडिल्य वेंकट शर्मा ने लोगों को आतंकवाद के खात्मे की शपथ दिलाई।

कायस्थ क्रांतिकारी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन के नेतृत्व में गांधी मैदान स्थित जे.पी.गोलंबर के समीप मुम्बई हमलों में मारे गये लोगों के प्रति मोमबत्तियां जला श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में संपूर्ण क्रांति मंच के अध्यक्ष भवेश चंद्र प्रसाद, उपाध्यक्ष कुमार अनुपम, वीनु चैनपुरी, दीपक ज्योति, सुनील सिंह छवियाज आदि मौजूद थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तरफ से शाम में कारगिल चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सामाजिक संस्था आम आदमी की आवाज की तरफ से मुम्बई हमले में मारे गये लोगों को मोमबत्तियां जला कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गांधी मैदान के समीप स्थित जे.पी.गोलंबर पर आयोजित इस कार्यक्रम में एम.के.सिन्हा, शत्रुघ्न प्रसाद, एस.एन.शर्मा, प्रभात माथुर आदि मौजूद थे। पटना महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी अध्यक्ष शशि कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जे.पी.गोलंबर के समीप मुम्बई हमले में मारे गये शहीदों के प्रति 184 मोमबत्तियां जला श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर सूर्य कुमार सिन्हा, अमर कुमार सिन्हा, राम चंद्र आदि मौजूद थे। बिहार प्रदेश जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार कुलवंत सिंह सलूजा की अध्यक्षता में चितकोहरा पंजाबी कालोनी में मुम्बई में हुए आतंकी हमलों में मारे गये शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

शहीदों! तुम्हें शत-शत नमन

गुरुवार को कारगिल चौक पर शहीदों की याद में मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता, बोरिंग रोड चौराहा पर श्रद्धांजलि स्वरूप अपने संदेश लिखते सिमेज के छात्र-छात्राएं व राजभवन के पास जमा सेंट कैरेंस के बच्चे।

26/11 पहली बरसी
छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला

पटना (का.सं.)। मुंबई में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए सेंट कैरेंस हाई स्कूल और सेंट कैरेंस सेकेंडरी स्कूल के बच्चों और शिक्षकों द्वारा मानव शृंखला बनाई गई। राज्यपाल भवन के सामने स्थित डा.राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा के पास आयोजित इस कार्यक्रम में 1500 बच्चों ने हिस्सा लिया। देशभक्ति से प्रेरित इन बच्चों ने इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ और शांति व सौहार्द्र के लिए नारे लिखे बैनर और प्लेकार्ड का भी प्रदर्शन किया। मुंबई आतंकी हमले में जान गंवाने वाले आमलोग और शहीद हुए जवानों की याद में प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया।

सिमेज और कैटेलिस्ट इंस्टीटयूट के मैनेजमेंट और मीडिया छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला। इस मार्च के माध्यम से छात्र-नौजवानों ने मुम्बई के आतंकी हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद को शिकस्त देने का संकल्प लिया। यह मार्च संस्थान के कैम्पस से निकलकर बोरिंग रोड चौराहा तक गया और वहां सभा में बदल गया। सभा में आतंकवाद विरोधी कैनवास बोर्ड पर सैकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर कर अपनी एकजुटता का परिचय दिया। इस मौके पर सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने अपने विचार रखे।

उधर, सिविल डिफेंस ने जवानों ने आतंकवाद विरोधी मार्च निकाला। मार्च की शुरुआत डाक बंगला चौराहा से हुई जो फ्रेजर रोड, रेडियो स्टेशन होते गांधी मैदान कारगिल चौक तक पहुंचा। वहां पर सिविल डिफेंस के जवानों ने पिछले साल आतंकवादी हमले में शहीद हुए देश के नौजवानों और आमलोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विरोध मार्च में दर्जनों लोग शामिल थे।

सिविल डिफेंस के आफिसर कमांडिंग एसएन श्याम ने कहा कि देश में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए चौकस रहने की आवश्यकता है। इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को पहल करने की जरूरत है। इस मौके पर शांडिल्य वेंकटेश शर्मा, हरेन्द्र नाथ, अरुण कुमार, दिनेश कुमार, चंचल कुमारी, दुलार देवी, रंजन कुमार, कृष्ण कुमार आदि मौजूद थे।

Placements & Internships

Placements-2011

vodafone · S Tel · MTS · HDFC Life · Angel Broking · IDBI BANK · HCL · HSBC · HDFC BANK · Reliance General Insurance · Smaarftech · Sharekhan · Glodyne · British Council · Aircel · S. Chand Harcourt · The Times of India · Brilliant Tutorials · देश Live · मौर्य · Kashish न्यूज़ · Mahindra

पढ़ाई के साथ होगी कमाई

सिमेज के छात्र एम.टी.एस. के साथ करेंगे इंटर्नशिप

पटना (आससे)। सिमेज का सफलता की ओर बढ़ना एक और कदम। अब यहां के छात्र पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप और कमाई भी कर सकेंगे। सिमेज कॉलेज प्रांगण में पिछले तीन दिनों तक चले इंटरव्यू में छात्रों की कम्युनिकेशन स्किल, रिटेन स्किल, इंटरव्यू हैंडलिंग, पर्सनालिटी आदि की जांच की गयी और ९० छात्रों का चयन दुनिया की जानी मानी टेलिकॉम कम्पनी एम.टी.एस. द्वारा किया गया। सिमेज के छात्र इस कम्पनी के साथ इंटर्नशिप करेंगे। यह इंटर्नशिप मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी प्रोजेक्ट से जुड़ा है जिसके तहत मोबाइल ग्राहक अपने मौजूदा नम्बर को रखते हुए किसी भी मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर की सुविधा प्राप्त कर सकता है। यह इंटर्नशिप प्रोजेक्ट स्टाइपन भी मिलेगा। सिमेज के एम.बी.ए., बी.बी.ए., बी.सी.ए. और मीडिया के छात्रों के चेहरे इंटर्नशिप को लेकर खिले थे। इस अवसर पर सिमेज के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल ने कहा कि इंटर्नशिप अपनेआप मे अनूठा है। एम.टी.एस. के एच.आर.हेड ने कहा कि इस इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को कारपोरेट जगत का एक्सपोजर मिलेगा और यह अनुभव उनके कैरियर का आधार बनेगा। मौके पर सिमेज के प्लेसमेंट हेड श्रीमती मेधा अग्रवाल मौजूद थी।

सिमेज कॉलेज के छात्रों का चयन एमटीएस में

एमटीएस में चयनित छात्र-छात्राएं.

जॉब मेले में 170 को नौकरी

कैरियर कैटलिस्ट कैंपस में नियुक्त पत्र मिलते खुशी से झूम उठे छात्र-छात्राएं

थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल, पढ़ाई के साथ कमाई

सीमेज के 90 छात्रों का इंटर्नशिप के लिए चयन

पटना, हमारे प्रतिनिधिः सीमेज कालेज के 90 छात्र-छात्राओं का चयन इंटर्नशिप के लिए किया गया है। चयनित छात्र टेलिकाम कंपनी एम.टी.एस.में इंटर्नशिप करेंगे।

सीमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने बताया कि इंटर्नशिप प्रोजेक्ट प्रतिदिन चार घंटे छात्र-छात्राओं को करना होगा। शेष चार घंटे छात्र अपनी पढ़ाई करेंगे। इससे उन्हें अपने ज्ञान में वृद्धि करने के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। मौके पर एमटीएस के एचआर हेड संजीव शरण ने बताया कि इस कंपनी में इंटर्नशिप करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन कारपोरेट इंटरनेट डाटा सर्विस विश्लेषण के लिए किया गया है। इस दौरान छात्रों को कारपोरेट जगत का अनुभव प्राप्त होगा, जिससे उन्हें कैरियर बनाने में मदद मिलेगी। मौके पर सीमेज के प्लेसमेंट हेड मेधा अग्रवाल एवं नीरज पोद्दार सहित कई लोग उपस्थित थे।

Nagarjun's Ceremony

CIMAGE Knowledge . Skill . Success | वाह ज़िंदगी | CATALYST MEDIA COLLEGE

आमंत्रित करते है आपको परिचर्चा में शामिल होने हेतु

चाहिए एक वैचारिक क्रांति

Vartika Nanda, Sr. Journalist
Ex CEO Lok Sabha TV

गीता श्री सिनियर जर्नलिस्ट आउटलुक	पं. ताराकान्त झा सभापति बिहार विधान परिषद्	डॉ. जगन्नाथ मिश्रा पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार	अविनाश सिनियर जर्नलिस्ट एवं ब्लॉगर
नीरज अग्रवाल डारेक्टर सिमेज	अरूण कमल प्रसिद्ध हिन्दी साहित्कार	नवेन्दु पोलिटिकल एडिटर मौर्या टि.वी.	विनोद अनुपम फिल्म समीक्षक

VENUE : Vidhan Parishad SABHAGAR DATE : 15 SEPT 2010 TIME : 2PM

BMCA | PGJMC
Call : 0612-3987777, 9934300443

इस अवसर पर बाबा नागार्जुन की कविताओं पर आधारित वृत-चित्र "मेघ बजे" का लोकार्पण किया जायेगा

अब दिखेगी बाबा की कविता

I NEXT

नागार्जुन पर बनी सीडी को लांच करते (बायें से) गीताश्री, वर्तिका नंदा, डॉ जगन्नाथ मिश्र आदि. इस मौके पर स्पीच देते अविनाश और नवेंदु.

नागार्जुन की कविताओं की

भौतिकता-नैतिकता साथ नहीं चल सकती

युवा रिपोर्टर

...क सरोकार और जिंदगी से जुड़े ...चर्चा करने और इसका निदान ...लिए कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज ...ह जिंदगी' की ओर से परिचर्चा ...जन किया गया। विधान परिषद ... में आयोजित इस परिचर्चा का ...व्यस्त दिनचर्या में कहीं सरोकार ...माज के बीच दूरी तो नहीं बनती ...' रखा गया। इस अवसर पर पूर्व ...त्री जगन्नाथ मिश्र ने कहा कि ...के लोगों ने हर क्षेत्र में बिहार का ...ढ़ाया है और बाबा नागार्जुन की ...ओं में सभी प्रकार के विचारों का ...श है। वरीय पत्रकार वर्तिका नंदा ... कि भौतिकता और नैतिकता साथ-...नहीं चल सकती है। आउटलुक की ... संपादक गीताश्री ने देश में वैचारिक

विधान परिषद सभागार में 'मेघ बाजे' सीडी का लोकार्पण करते वरीय पत्रकार वर्तिका नंदा, पूर्व मुख्यमंत्री डा. जगन्नाथ मिश्र व अन्य।

सीमेज की ओर से आयोजित परिचर्चा में दिग्गजों ने रखे विचार

अकाल जैसे कोई स्थिति नहीं है। आ... भी बौद्धिक बहस हो रही है लेकिन आर्थिक और सामाजिक मजबूरियां उन्हें आगे बढ़ने से रोक रही है। पटना यूनिवर्सिटी के प्रो.नवल किशोर चौधरी ने बौद्धिक विकास के लिए इस तरह के परिचर्चा के आयोजन की जरुरत बताई। कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि हमारा संस्थान ऐसे समारोह का आयोजन निरंतर कर रहा है, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश दिया जा सके। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार नवेंदु, मुकेश, न्यू मीडिया के पत्रकार अविनाश दास, सीनियर जर्नलिस्ट अविनाश और कवि संजय कुमार पंकज भी मौजूद थे।

नागार्जुन की कविताएं प्रासंगिक : मैनेजर पांडेय

सीमेज के कार्यक्रम को संबोधित करते मैनेजर पांडेय.

संवाददाता

पटना : नागार्जुन वस्तुतः संपूर्णता के कवि है. इसलिए उनकी कविताओं में प्रकृति का प्रत्येक अंग मौजूद होती थी. शहरी लोग प्रकृति को पूर्णता में नही देखते. भारतीय गांवों में बसने वाले लोग खुद को प्रकृति का हिस्सा मानते हैं. नागार्जुन की दृष्टि भी ग्रामीणों से मिलती-जुलती है. उक्त बातें जवाहर लाल नेहरू विश्-वविद्यालय के अवकाशप्राप्त हिंदी के विभागाध्यक्ष प्रो मैनेजर पांडेय ने सोमवार को सीमेज मीडिया कॉलेज में महाकवि नागार्जुन की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के दौरान कहीं. उन्होंने बताया कि वे अकाल से पीड़ित किसानों का वर्णन करते वक्त से छटपटाते कुत्ते, चूहे, कौवे और छिपकलियों की दशा का भी चित्रण करते थे. ये सब न सिर्फ भोजन के लिए एक-दूसरे पर निर्भर है. समारोह के आरंभ में युवा पत्रकार विवेक द्वारा निर्मित वृतचित्र प्रदर्शन किया गया. सीमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने अतिथि का स्वागत किया.

Symposium held on ideological revolution

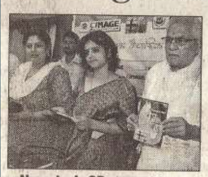

■ Nagarjun's CD on poetries being released in Patna on Wednesday. AP DUBE/HT PHOTO

Catalyst Institute of Management and Advance Global Excellence (CIMAGE) and Wah Jindagi jointly organised a symposium on 'Need for a ideological revolution' at Bihar Legislative Assembly on Wednesday. A movie CD on the poetries of noted poet Nagarjun, 'Megh Baje' was also released. Journalist Vartika Nanda, Outlook magazine feature editor Geetashri, Maurya TV political editor Navendu, former chief minister Dr Jagannath Mishra, CIMAGE director Neeraj Agarwal and many others addressed the function.

अपनी आवाज का रखें ध्यान : अजीत अंजुम

पटना : नेशनल टीवी चैनल न्यूज 24 के प्रमुख अजीत अंजुम गुरुवार को कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज व मैनेजमेंट के छात्रों से रू-ब-रू हुए.इस दौरान उन्होंने मीडिया और प्रबंधन के क्षेत्र में बढ़ रहे रोजगार के अवसर और संभावनाओं की जानकारी छात्रों को दी.उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में आनेवाले छात्रों के लिए जरूरी है कि वे वाइस ओवर यानी अपनी आवाज पर विशेष ध्यान दें.अच्छी भाषा बोलने के साथ यह भी जरूरी है कि उच्चारण दोष न हो और आवाज भी प्रभावशाली हो.एंकर व रिपोर्टर की पहचान उसकी आवाज से होती है. कार्यक्रम के दौरान सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने स्मृति चिह्न भेंट कर अजीत अंजुम का अभिनंदन किया.

नागार्जुन जन्म शताब्दी पर सिमेज में समारोह

बहुत दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही...

पटना। बहुत दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास। बहुत दिनों तक कानी कुतिया सोयी उसके पास...। महाकवि नागार्जुन की जन्म शताब्दी पर इस समारोह का आयोजन सिमेज मीडिया कॉलेज में किया गया था। इस मौके पर हिन्दी के विख्यात आलोचक और जेएनयू के अवकाशप्राप्त हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो.मैनेजर पांडेय ने नागार्जुन की इन कविताओं को उल्लेखित करते हुए कहा कि ये पंक्तियां सूखा पीड़ित बिहार के लिए आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी आज से दशकों पूर्व अपनी रचना के वक्त थी। उन्होंने कहा कि नागार्जुन वस्तुतः संपूर्णता के कवि हैं। इसलिए उनकी कविताओं में प्रकृति का प्रत्येक अंग मौजूद होता है। उन्होंने कहा कि नागार्जुन अपनी कविताओं में इतिहास के तथ्यों का उपयोग वर्तमान की व्याख्या के लिए करते हैं और इस क्रम में वह उन्हीं तथ्यों का सहारा लेकर भविष्य की ओर भी संकेत कर रहे होते हैं। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक नीरज अग्रवाल ने प्रो.पांडेय का स्वागत करते हुए कहा कि उनके व्याख्यान से मीडिया के छात्रों को हिन्दी साहित्य और बाबा के बारे में जानने का मौका मिलेगा। प्रो. पांडेय ने मीडिया छात्रों को हिदायत देते हुए समाज के व्यापक हित में लिखने की अपील की।

आवाज भी बन सकती है पहचान

पटना। रिपोर्टर-एंकर, रिपोर्टर की आवाज से भी उसकी पहचान बनती है। इसलिए मीडिया के लड़कों के लिए जरूरी है कि वे वाइस ओवर अर्थात अपनी आवाज पर भी विशेष ध्यान दें। नेशनल टी.वी. चैनल न्यूज २४ के प्रमुख अजीत अंजुम ने कैटलिस्ट मीडिया कालेज में मीडिया व मैनेजमेंट के छात्रों से मिलकर उक्त जानकारी दी। श्री अंजुम ने कहा कि अच्छी भाषा बोलने के साथ यह भी जरूरी है कि उच्चारण दोष न हो...

आज के दौर में मीडिया के समक्ष कई चुनौतियां : अंजुम

पटना (एसएनबी)। आज के दौर में मीडिया के समक्ष कई चुनौतियां हैं जिसे सोच-समझकर कुशलतापूर्वक निपटाने की जरूरत है। मीडिया कम शब्दों में पूरी बातें रखे ताकि वह अधिक से अधिक सूचनाओं की जानकारी लोगों को दे सके। यह सीख वरिष्ठ पत्रकार अजित अंजुम ने

▶ वरिष्ठ पत्रकार ने छात्रों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं

कैटलिस्ट मीडिया कॉलेज में छात्रों को बातचीत के क्रम में दी। उन्होंने मीडिया व मैनेजमेंट के छात्रों से कहा कि आज का दौर स्पर्धा का है। आपको इसे ठंडे दिमाग से सही समय पर निपटाना होगा। तब आप स्पर्धा के दौर में आगे निकल सकेंगे। पत्रकार अंजुम ने टीवी में काम करने के इच्छुक बिहार के छात्रों से कहा कि वे अपनी आवाज के साथ उच्चारण पर ध्यान दे। अच्छा बोलने के दौरान इन सब बातों पर ध्यान देना जरूरी है। क्योंकि ये सब बातें प्रभावशाली ढंग से बोलने में मददगार होती है। मीडिया क्षेत्र के नामचीन चेहरों के अनुभवों से सीख लेने के लिए कैटलिस्ट कालेज इस तरह का कार्यक्रम

▶ आवाज के साथ उच्चारण पर अधिक ध्यान देने पर दिया जोर

करवाता रहा है।

इससे पहले यहां वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर, पुन्य प्रसून वाजपेयी, अजीम शायर, निदा फाजली, शम्स ताहिर खान आदि आ चुके हैं। इस मौके पर सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने पत्रकार अजित अंजुम को अभिनंदन स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सम्मान : अजित अंजुम को स्मृति चिह्न भेंट करते सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल।

Events in association with CII

बदलाव के साथ चलने की जरूरत : ठक्कर

भास्कर ठक्कर

पटना। सेल्स टैक्स के बाद वैट को लागू करने की बात आई तो मिश्रित प्रतिक्रिया आई। अब एक बार फिर सर्विस टैक्स को लेकर आशंका का माहौल है। ये बातें दुनिया की सबसे बड़ी ऑडिट एवं कंसल्टेंट कम्पनी अर्न्स्ट एंड यंग के डायरेक्टर भास्कर ठक्कर ने कहीं।

वे सिमेज तथा सीआईआई के संयुक्त तत्वावधान में वस्तु एवं सेवा कर विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। मैनेजमेंट मीडिया एवं आईटी कॉलेज सिमेज में यह सेमिनार विशेष रूप से एमबीए डिपार्टमेंट के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इसमें बिहार के प्रमुख चार्टर्ड अकांउटेंट तथा व्यापार जगत से जुड़े लोगों ने विशेष रूप से हिस्सा लिया।

इस अवसर पर श्री ठक्कर ने कहा अभी देश में गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स को लगाने की योजना है। इसे लेकर भ्रम का माहौल है। इस दौरान सिमेज के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल ने कहा कि सेवा क्षेत्र अब एक बड़ा सेगमेंट बनकर उभर रहा है। लगातार बदलाव के साथ चलने की जरूरत है।

हिन्दुस्तान

शुक्रवार को वस्तु एवं सेवा कर विषय पर आयोजित सेमिनार में उपस्थित छात्राएं

वार्षिक आमसभा में केन्द्रीय बजट पर चर्चा

पटना, हमारे कार्यालय संवाददाता : सीआईआई की प्रदेश इकाई की मंगलवार को बुलाई गयी वार्षिक आमसभा में केन्द्रीय बजट पर चर्चा की गई। इस दौरान वर्ष 2011-12 के लिए निर्मल्या घोषाल को सीआइआइ का प्रदेश अध्यक्ष, जबकि अमित सरावगी को उपाध्यक्ष चुना गया।

इससे पूर्व केन्द्रीय बजट पर हुई चर्चा के दौरान आईटीसी लिमिटेड, मुंगेर के ब्रांच मैनेजर श्री घोषाल ने केन्द्रीय बजट की विशेषताओं व खामियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मुद्रास्फीति पर चिंता जताते हुए कहा कि आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए केन्द्रीय बजट में विशेष प्रावधान किये गये हैं। टैक्स में छूट की सीमा बढ़ने से हर व्यक्ति को औसतन दो हजार रुपये का फायदा होगा। वरिष्ठ नागरिकों की आयु सीमा घटने तथा अति वरिष्ठ नागरिकों को विशेष छूट देकर केन्द्रीय वित्त मंत्री ने बढ़िया काम किया है। लेकिन बजट जीएसटी के मुद्दे पर मौन है। मौके पर सीमेज इंस्टीट्यूट के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि केन्द्रीय बजट में चुनाव का असर दिख रहा है। महत्वपूर्ण मुद्दों को छोड़ा गया है।

सीआइआइ की संगोष्ठी में वक्ता — जागरण

परिचर्चा

- एन. घोषाल बने सीआइआइ की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष

मोटे तौर पर इस बजट ने मायूस किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि माध्यमिक स्तर पर ही हुनर विकास के कोर्स शामिल किये जाने चाहिये। शिक्षा के अधिकार कानून को उच्च शिक्षा में भी लागू करने की उन्होंने वकालत की। जबकि सीआइआइ के पूर्वी प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक सौगत मुखर्जी ने कहा कि वैश्विक तौर पर वसूली धीमी है। मुद्रास्फीति भी बड़ी समस्या है। इन सबके बीच प्रणव मुखर्जी ने केन्द्रीय बजट में राजकोषीय घाटे को कम किया है। वे मानते हैं कि केन्द्रीय बजट संतुलित है।

करों का बोझ घटेगा : भास्कर

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली पर सेमिनार

संवाददाता

पटना : वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करना समय की मांग है. इससे करों का बोझ घटेगा व भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर मुकाबला कर पायेगा. ये बातें ऑडिट एवं कंसल्ट कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग के निदेशक भास्कर ठक्कर ने कहीं. सीआइआइ व मैनेजमेंट मीडिया एवं आइटी कॉलेज सीमेज द्वारा वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली पर हुए सेमिनार में उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे राज्यों का राजस्व भी बढ़ेगा. इसके लागू होने से व्यापारियों को कोई परेशानी नहीं होगी. यह उनके हित में है. साथ ही इससे उनके व्यापार को बढ़ावा ही मिलेगा.

सेमिनार में उपस्थित अर्न्स्ट एंड यंग के निदेशक भास्कर ठक्कर व अन्य.

बढ़ा है दायरा

सीमेज के डायरेक्टर नीरज अग्रवाल ने कहा कि सेवा क्षेत्र एक बड़ा सेगमेंट बन कर उभरा है. सीआइआइ के प्रमुख (बिहार) अर्चन देब ने कहा कि सरकार ने सभी राज्यों के वित मंत्रियों की कमेटी गठित की है जिसकी अनुशंसा के आधार पर ही इसे लागू किया जायेगा.

सीआइआइ, बिहार के उपाध्यक्ष निर्मल्या घोषाल, सीमेज की एचआर हेड मेघा अग्रवाल, चार्टर्ड एकाउंटेंट, विभिन्न कंपनियों के निदेशक सहित सीमेज के एमबीए विभाग के छात्रों ने भी हिस्सा लिया.

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

CIMAGE Against Corruption

More Events

Mr. D. K. Singh (IAS) Director, MSME-DI, inaugurating the entrepreneurship certification programme of MSME at CIMAGE

Students participating in plantation drive on World Environment Day at CIMAGE Campus

Prof. B. K. Agrawal, Chairman Catalyst Group distributing warm cloths to blind girls

Media Workshop with
Cartoonist Pawan & RJ Shashi

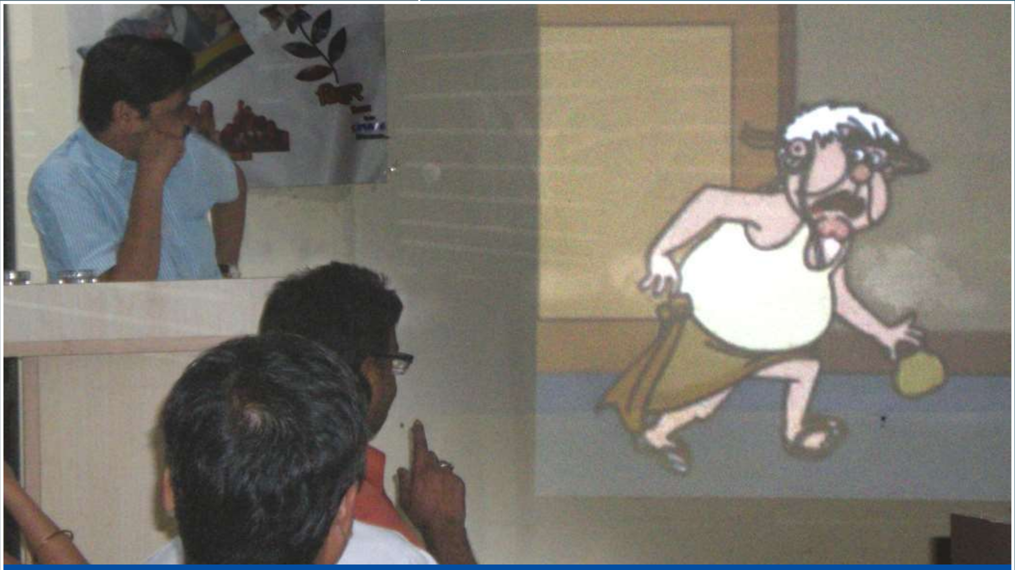
Cartoonist Pawan (Hindustan) explaining the art of Cartoon Making

RJ Shashi of Radio Mirchi

Mr. Pankaj Mukul, Mahua TV explaining the finer aspects of camera

Budget Discussion

बजट उच्च आयवालों को समर्पित

पटना: वर्ष 2010-11 के बजट में मध्यम व निम्न वर्ग का ख्याल नहीं रखा गया है. यह उच्च आय प्राप्त करनेवालों को समर्पित है. यह बात सिमेज कॉलेज के ऑडिटोरियम में केंद्रीय बजट 2010-11 का लाइव प्रसारण देखने के बाद छात्र-छात्राओं ने कही.

एमबीए की छात्र **कुमुद** ने कहा कि बजट में निम्न वर्ग की पूरी तरह से उपेक्षा की गयी है. वहीं **वत्सानंद वत्स** ने कहा कि पूर्वी राज्यों में हरित क्रांति लाने के लिए 400 करोड़ रुपये का प्रावधान है. इसके लिए उन्नत बीज व सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए थी. रूपा ने कहा

सिमेज कॉलेज के छात्रों की राय

कि बजट में ढांचागत विकास के लिए काफी राशि रखी गयी है, जो कि सकारात्मक व दूरगामी परिणाम देने में सक्षम होगा.

केट्लिस्ट इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड ग्लोबल एक्सीलेंस की ओर से 'बजट कितना अच्छा कितना सच्चा' के तहत इस कार्यक्रम के बारे में बताते हुए संस्थान के निदेशक **नीरज अग्रवाल** ने कहा कि केंद्रीय बजट एक महत्वपूर्ण घटना है. मैनेजमेंट व मीडिया के छात्रों को खासतौर पर इससे सक्रियता के साथ जुड़ना चाहिए.

सिमेज में बजट पर चर्चा

पटना। केंद्रीय बजट 2010-11 के बारे में कैटलिस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवांस ग्लोबल एक्सीलेंस के छात्रों ने लाइव चर्चा की। इस चर्चा में एमबीए, मीडिया और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सिमेज कॉलेज ऑडिटोरियम में बजट का लाइव प्रसारण देखने के बाद बजट पर चर्चा की शुरुआत की गई।

एमबीए छात्र कुमुद ने बजट को उच्च आय प्राप्त करने वालों का बताया। वात्स्यायन वत्स ने कहा कि उन्नत बीज और सिंचाई की उचित व्यवस्था पर ध्यान नहीं देने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। प्रीति ने शिक्षा को सर्विस टैक्स के दायरे में लाने के फैसले पर नाराजगी प्रकट की। रूपा ने सर्विस टैक्स को दस प्रतिशत पर रोकने के फैसले की प्रशंसा की। चर्चा में आर्थिक विश्लेषक के रूप में एनके रोहतगी, जीएस नवेटिया, नीतीश कुमार सहित अन्य ने हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक नीरज अग्रवाल ने बच्चों को बजट के बारीकियों पर ध्यान देने की सलाह दी।

सिमेज में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्र और शिक्षक। • हिन्दुस्तान

Tie-up with IIM-C & IIT-D

प्रबंधन की पढ़ाई के लिए बाहर जाना जरूरी नहीं

पटना (एसएनबी)। प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए बिहारी छात्रों को अब बाहर जाने की जरूरत नहीं। सिमेज ने इस दिशा में पहल करते हुए एमबीए की पढ़ाई के साथ आईआईएम कोलकाता और आईआईटी दिल्ली के सर्टिफिकेशन कोर्सेज की घोषणा की।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इन कोर्सेज को पटना में कराने हेतु कैट्लिस्ट प्रबंधन एवं आधुनिक वैश्विक उत्कृष्टता संस्थान, मैकेनिकल इंडिया, आईआईएम कोलकाता और आईआईटी दिल्ली के बीच करार पर हस्ताक्षर किए गए। इस बात की जानकारी सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल और मैकेनिकल इंडिया एडुकेशन के ईस्ट हेड प्रसोनजीत रॉय ने पत्रकार सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि आईआईएम कोलकाता द्वारा सिमेज के एमबीए के छात्रों कॉरपोरेट फिनांस का सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा तथा छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में महत्वपूर्ण वित्तीय फैसलों को लेने हेतु सक्षम बनाया जाएगा। वहीं आईआईटी दिल्ली द्वारा सप्लाई चेन मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस कोर्स के तहत कम संसाधन में अधिक उत्पादकता के गुर सिखाए जाएंगे।

CIMAGE to tie-up with IIM, IIT

Patna: Bihari students aspiring to pursue a quality course in management need not go outside the state now. For, city's leading management institute, CIMAGE, would now offer IIM-Calcutta and IIT-Delhi certification courses to its students in addition to the MBA course being pursued by them.

To bring these internationally recognised courses to Patna, an agreement has been signed among Catalyst management, MacMillan India, IIM-Calcutta and IIT- Delhi.

"Those pursuing an MBA course at CIMAGE would get an IIM-Calcutta certificate in corporate finance," CIMAGE director Niraj Agrawal told a presser he jointly addressed here on Friday with Macmillan India Education head (east) Prasanjeet Roy. These students would also get IIT-Delhi certificate in supply chain management.

Agrawal said certificates of IIM and IIT along with an MBA degree would be of great help for students looking for jobs in the corporate world which is fast recovering from the economic slowdown. The students would not have to pay extra fee for getting IIM and IIT certificates.

Roy said CIMAGE is Bihar's only institution which has been selected for these courses because of its rich infrastructure and trained faculty.

He also said the training in corporate finance offered by IIM-Calcutta is of very good quality and teachers from there would come to Patna to guide CIMAGE students. TNN

आईआईएम के कोर्स अब पटना में

पटना। आईआईएम कोलकाता व आईआईटी दिल्ली के कोर्स का मौका अब बिहार के छात्रों को भी मिलेगा। सिमेज ने दोनों संस्थानों के सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत की है।

इसके लिए सिमेज व मैकमिलन के बीच करार पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किया गया। सिमेज के निदेशक नीरज अग्रवाल व मैकमिलन इंडिया एडुकेशन के ईस्ट हेड प्रसेनजीत राय ने इस करार पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद दोनों ने बताया कि आईआईएम कोलकाता द्वारा एमबीए के छात्रों को कॉरपोरेट फाइनांस में सर्टिफिकेट कोर्स और आईआईटी दिल्ली के मैनेजमेंट विभाग द्वारा सप्लाई चेन मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट कोर्स कराया जाएगा। उन छात्रों को इसके लिए अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। इस मौके पर नीरज अग्रवाल ने कहा कि दोनों कोर्स चार-चार माह के हैं और इससे छात्रों को विषय के बारे में विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एमबीए पास स्टूडेंट्स भी इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कोलकाता से आए प्रसेनजीत ने कहा कि मैकमिलन आईआईटी दिल्ली व आईआईएम कोलकाता के ऑनलाइन कार्यक्रमों को संचालित करती है और सिमेज से समझौता होने से वे हमारे कार्यक्रमों का लाभ ले सकते हैं। संस्थान के अध्यक्ष बसंत कुमार अग्रवाल ने कहा कि छात्रों को बेहतर शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति हम कृतसंकल्प हैं। (हि.प्र.)

करार पत्र का आदान-प्रदान करते सिमेज के नीरज अग्रवाल व मैकमिलन के प्रसेनजीत राय।

CATALYST COLLEGE

(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

World Cup @ CIMAGE

CATALYST COLLEGE

(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)

An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

» (From L to R) ROOTING FOR INDIA'S VICTORY: Cricket fans wearing masks of their favourite players; girls with their faces painted in colours of India and Pakistan national flags; students taking out a rally with posters of the World Cup trophy, in Pa

मैच के रोमांच से छाएगा सन्नाटा

युवराज बनो जीत का सरताज...

intervention sought for India in

वर्ल्ड कप के दिवानों के साथ सड़कों पर निकले गिलानी और मनमोहन

मंदिरों में बजी घंटियां मस्जिदों में मांगी दुआ

Seminar on Neighbourhood Library

लाइब्रेरी ज्ञान का भंडार

अच्छी किताब की तलाश. फोटो। प्रभात खबर

पटना : सिमेज पब्लिक लाइब्रेरी महत्वपूर्ण है, क्योंकि निजी क्षेत्र में यह काफी बड़ा पुस्तकालय है. ये बातें मंगलवार को लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में आयोजित संगोष्ठी में सिन्हा लाइब्रेरी के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष रामशोभित प्रसाद सिंह ने कहीं. उन्होंने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होता है. किसी भी समाज को आगे ले जाने के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने ज्ञान के भंडार को सुरक्षित रखे. संगोष्ठी में भारतीय राजस्व सेवा के अवकाशप्राप्त अधिकारी एएम प्रसाद ने सिमेज के कदम की सराहना की. मौके पर एएन सिन्हा समाज अध्ययन संस्थान के अवकाशप्राप्त मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष एसएफ रब, संस्थान के निदेशक नीरज अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद थे.

पाठकों को भा रही सिमेज पुस्तक प्रदर्शनी

पटना, संवाद सूत्र: सिमेज के सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना के अवसर पर चल रही पुस्तक प्रदर्शनी में पाठकों की भीड़ उमड़ रही है। सिमेज के निदेशक प्रो. नीरज अग्रवाल ने बताया कि पुस्तकालय में 50000 से भी ज्यादा किताबों का संग्रह है। जिसमें प्रबंधन, सूचना तकनीक, पत्रकारिता, साहित्य व कला, राजनीति, समसामयिक व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े विषयों से सम्बन्धित किताबें मौजूद हैं। इन किताबों का लाभ उठाने के लिए पाठक 10 रुपये में मासिक, 100 रुपये में वार्षिक और 1000 रुपये में पुस्तकालय के आजीवन सदस्य बन सकते हैं। उन्होंने नये सत्र के लिए जुलाई से नामांकन की घोषणा भी की। प्रदर्शनी में बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निशा झा ने कहा कि यह प्रबंधन, आइटी व मीडिया के छात्रों के लिए बेहद उपयोगी है।

Justice Dharampal Sinha

Mr. S. F. Rav, Librarian, A. N. Sinha Inst.

Mr. A. M. Prasad, Ex.Spl. Secretary (Revenue)
Central Govt., Chairman NHRD

Mr. Ramshobhit Singh,
Head Librarian, Sinha Library

Workshop of CIMAGE Theater Club

व्यक्तित्व विकास के लिए संस्कृति जरूरी

सिमेज कॉलेज में थियेटर क्लब शुरू. फोटो। प्रभात खबर

संवाददाता ▪ पटना

सिमेज कॉलेज में थियेटर क्लब की शुरुआत जाने-माने टीवी कलाकार विनीत कुमार ने की. उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व के विकास के लिए कला एवं संस्कृति से जुड़ना जरूरी होता है. उन्होंने छात्रों को रंगमंच से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि कला एवं संस्कृति की विधाएं न सिर्फ हमारे समाज एवं संस्कृति को समृद्ध करती हैं बल्कि हमारे व्यक्तित्व को भी निखारती हैं. उन्होंने मौके पर छात्रों के सवालों का जवाब भी दिया. सिमेज की छात्रा सुनीता, प्रेरणा, प्रीति, प्रिया,फिरदौस, छात्र समीर, अतुन शत्रुंजय, तपेश और आरिफ ने प्रश्न पूछे. संस्थान के निदेशक प्रो नीरज अग्रवाल ने कहा कि सिमेज कॉलेज में थियेटर वर्कशॉप होगा, जिसमें देश के नामी कलाकार एवं रंगमंच कर्मी भाग लेंगे. इस अवसर पर प्रो नीरज पोद्दार, मेधा अग्रवाल और पुरुषोत्तम उपस्थित थे.

सिमेज कॉलेज थिएटर क्लब शुरू

सिमेज के मोटिवेशनल प्रोग्राम को एड्रेस करते गेस्ट.

inext reporter

PATNA (10 May) : सिमेज कॉलेज के थिएटर क्लब की शुरुआत जानेमाने फिल्म एवं टीवी आर्टिस्ट विनीत कुमार के आने से हुई. लापतागंज, रामखिलावन सीएम एंड फैमिली जैसे टीवी सीरियल्स के इस मशहूर एक्टर ने सिमेज में स्टूडेंट्स के साथ इंटरैक्शन किया. इस दौरान विनीत कुमार ने कहा कि पर्सनालिटी डेवलपमेंट के लिए आर्ट एंड कल्चर से जुड़ना जरूरी है. उन्होंने कहा कि रंगमंच हमारे जीवन से जुड़ा है. बीच में रंगमंच बुरे दौर से गुजर रहा था लेकिन अब स्थिति बदल रही है. इस दौरान सिमेज के टीचर्स भी मौजूद थे.

व्यक्तित्व विकास को कला-संस्कृति से जुड़ें

पटना | **वरीय संवाददाता**

सफलता मंजिल नहीं बल्कि एक सफर है। हमें सफलता-असफलता की चिंता छोड़ अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी से करते रहना चाहिए। ये बातें जानेमाने रंगकर्मी, फिल्म एवं टीवी कलाकार विनीत कुमार ने सिमेज कॉलेज के छात्रों को बताईं। उन्होंने छात्रों को कहा कि प्रत्येक दिन कम से कम दो घंटे कला एवं संस्कृति को समर्पित करें।

पुस्तकालय में कथा, साहित्य, नाटक, व्यंग्य एवं कविताओं को पढ़ें। संगीत सुनें, वाद्य यंत्र बजाएं, नाटक देखें। कुछ समय बाद वे स्वयं अपने जीवन में बदलाव महसूस करेंगे। पटना में जन्मे और एनएसडी से पासआउट विनीत ने कई भाषाओं के फिल्मों में काम किया है। टीवी सीरियल लापतागंज में कछुआ चाचा के किरदार से घर-घर में पहचाने जाते हैं। उन्होंने सिमेज कॉलेज में थियेटर क्लब पर बधाई दी। उन्होंने छात्रों से रंगमंच से जुड़ने का अपील भी की। मौके पर पर संस्थान के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कहा कि कॉलेज में थिएटर वर्कशॉप का आयोजन कराया जाएगा जिसमें नामी कलाकार और रंगकर्मी भाग लेंगे। सुनीता, समीर, प्रेरणा, शत्रुंजय, फिरदौस, अतुल, प्रीति, तपेश, प्रिया और आरिफ सहित अन्य छात्रों ने विनीत कुमार से कई सवाल भी किए।

सिमेज कॉलेज के छात्रों के साथ जाने माने रंगकर्मी विनीत कुमार।

Merit Reward Ceremony

CIMAGE choir group welcoming the chief guest by singing the welcome song

Mr. M. K. Sachdeva, CEO MTS, Inaugurating the event by lighting the lamp

Students who have secured 1st, 2nd & 3rd position in their batches were awarded Titan wrist watches.

Students doing anchoring of the event

Students performing a play on social issue

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

-डॉ. हरिवंश राय बच्चन

CIMAGE Group of Institutions

CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
An Affiliated College Under Patliputra University, Patna

Affiliated College of
Patliputra University, Patna
College Code: 445

BCA | BBA | B.Sc-IT

Plot No. C16(P), Infront of Coca Cola,
Patliputra Industrial Area, Patna - 800013

Ph : 0612-6450194, 9835024444, 9934300443

Web : www.catalystcollege.in email : info@cimage.in